राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 02 अगस्त 2024 वर्ष–7,अंक–190 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

देश के अनेक हिस्सों में बारिश का कहर

- शिमला, कुल्लू और मंडी में फटे बादल
- डैम फटा कई घर बह गए और 22 लोग लापता हुए
- अलग-अलग जगहों पर अनेक लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों के ऊपरी हिस्सों में बादल फटने से तबाही हुई है। शिमला जिला के रामपुर उमण्डल के झाकड़ी इलाके में समेज खड्ड में हाइड्रो प्रोजेक्ट के नजदीक आधी रात को बादल फटने से आई बाढ़ ने कोहराम मचाया और 22 लोग लापता हो गए। इसी तरह मंडी जिला की चोहर घाटी के टिक्कन थलटू कोड में भारी बारिश के बाद आये सैलाब ने कई घरों को नुकसान पहुंचाया और बचने के लिए जंगल की ओर भागे थे और करीब तीन लोग लापता बताए जा रहे हैं। कुल्लू जिला में आधी रात से हो रही जोरदार भारी बारिश से नदी नालों के जलस्तर में हुई भारी बढ़ोतरी हुई है। मलाणा में पॉवर प्रोजेक्ट 1 का डैम फटा। डैम फटने से सड़के पुल जमीनों को हुआ भारी नुकसान। पार्वती नदी में भारी बाढ़ से भुंतर के आसपास लोगों को अलर्ट जारी किया गया। कुल्लू जिला के बागीपुल में बाढ़ से हुई भारी त्रासदी हुई है। कई घर बह गए हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में मानसून सीजन के दौरान बारिश व भूस्खलन की वजह से 114 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 19 घर पूर्ण रूप से ध्वस्त हुए, जबकि 95 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा पांच दुकानें व 87 पशुशालाएं भी धराशायी हुईं। राज्य में मानसून सीजन में 433 करोड़ की संपति को नुकसान पहुंचा है। इसमें लोकनिर्माण विभाग को 189 करोड़ की क्षति हुई है। पिछले करीब एक माह में राज्य में वर्षा जनित घटनाओं में 131 लोगों की मौत हुई है। इसमें सड़क हादसों में 66 लोगों की जान गई। जबकि 65 मौतें उंचाई से फिसलने, डूबने व बहने, करंट व सर्पदंश से हुई हैं। मंडी के जिलाधीश अपूर्व देवगन भी घटना स्थल में राहत एवम बचाव कार्यों के लिए रवाना हो गए हैं। हालांकि भारी वर्षा के कारण सड़क मार्ग भी अवरूद्ध हो गए हैं। शिमला के रामपुर में बादल फटने से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। बीती रात समेज खड्ड में आये सैलाब ने आसपास के गांवों में तबाही का मंजर ला दिया। वीरवार तड़के बादल फटने की सूचना मिलने के बाद उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी भी रवाना हो गए है। एस डी आर एफ की टीम भी मौके पर पहुंच रही है। उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि बादल फटने से प्रभावित क्षेत्र से 19 लोगों के लापता होने की जानकारी है। एसडीएम रामपुर निशांत तोमर घटना स्थल पर पहुंच रहे हैं। सड़क कई जगह बंद होने के कारण उन्हें दो किलोमीटर पैदल ही उपकरणों के साथ रास्ता तय करना पड़ा। अनुपम कश्यप ने कहा कि राहत कार्य तुरंत आरंभ कर दिया है। आईटीबीपी, स्पेशल होम गार्ड की टुकड़ी भी रेस्क्यू दल में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू कार्यों में सारी टीमें एक जुट होकर कार्य कर रही है। एंबुलेंस सहित सभी आधारभूत सुविधाएं रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल की गई है।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर दिया गया है जिसमें पुलिस, होम गार्ड, अग्निशमन दल, सुन्नी डैम प्रबंधन सहित अन्य विभागों को शामिल किया गया। शिमला के रामपुर क्षेत्र में जहां बाढ़ से तबाही हुई, वो इलाका कुल्लू जिला से सटा है। जानकारी अनुसार श्रीखण्ड की पहाड़ियों में बादल फटने से कुर्पण,समेज़ और गानवी खड्ड में आई भयंकर बाढ़ ने तबाही का मंजर लाया।

चुनाव आयोग ने दिए जम्मू-कश्मीर समेत 3 राज्यों में तबादलों के निर्देश

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने के संकेत देते हुए चुनाव आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन से गृह जिलों में तैनात अधिकारियों के तबादले करने के निर्देश जारी किए हैं। यह चुनाव कराने से पहले की जाने वाली कवायद है। चुनाव वाले राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कार्य से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाए जहां उन्होंने लंबे समय तक सेवा की है। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के मुख्य सचिवों को भी समान निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने कहा कि हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र की मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल 3 नवंबर, 2024; 26 नवंबर, 2024 और 5, जनवरी 2025 तक है और इन राज्यों में चुनाव 2024 में होने वाले हैं। आयोग ने कहा कि इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की विधानसभा का चुनाव भी निकट भविष्य में होना है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले अधिकारियों के तबादलों से संबंधित निर्देश जारी करना सामान्य बात है।

जब घुसपैठियों से भिड़ गई महिला कॉस्टेबल, भारतीय सीमा से भगाकर लिया दम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राणाघाट में सीमा चौकी के पास बीएसएफ की एक महिला जवान का हथियारबंद घुसपैठियों से सामना हो गया। वह अकेली थी, चारों तरफ से घुसपैठियों से घिरी थी, जान जोखिम में थी लेकिन इसके बावजूद वह डरी नहीं बल्कि उनके सामने डटी रही। घुसपैठियों को अकेले ही खदेड़ दिया। इस बीएसएफ की महिला जवान की खूब तारीफ हो रही है। बीते दिनों से लगातार बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ होने के प्रयास को बीएसएफ असफल कर रही है। घुसपैठियों से बॉर्डर पर मुठभेड़ हुई जिसमें कई बीएसएफ जवान घायल भी हुए हैं। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि रात करीब दो बजे महिला कॉन्टेबल ने चाकुओं और तलवारों से लैस घुसपैठियों को सीमा पार करते देखा। महिला कॉन्टेबल ने घुसपैठियों पर हमला किया और उन्हें चेतावनी दी, लेकिन वह भारतीय क्षेत्र में घुस आए, कॉन्स्टेबल को चारों और से घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। तब तक एक साथी जवान ने उसकी चेतावनी पर प्रतिक्रिया दी और घुसपैठियों की ओर एक स्टन ग्रेनेड फेंका। घुसपैठियों ने जैसे ही चढ़ाई की, कॉन्स्टेबल ने उन पर गोली चला दी और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने किसी घुसपैठिए के घायल होने की संभावना से इनकार नहीं किया है।

चीन सीमा की बजाय तिब्बत सीमा कहे जाने की मांग

नई दिल्ली। चीन सीमा शब्द पर पुनर्विचार करने और इसके बजाय तिब्बत सीमा का उपयोग करने का आग्रह सिक्किम के सांसद दोरजी शेरिंग लेप्चा ने राज्यसभा में केंद्र सरकार से किया। उनका कहना है कि लेह, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश से सिक्किम तक 1,400 किलोमीटर तक फैला क्षेत्र वास्तव में तिब्बत की सीमा से लगता है, न कि चीन से। बीजेपी सांसद लेप्चा ने कहा कि यह चीन सीमा नहीं है। यह तिब्बत सीमा है। उन्होंने भारत सरकार और सेना, बीआरओ जैसी एजेंसियों से इसे आधिकारिक तौर पर मान्यता देने का आग्रह किया। दोरजी शेरिंग लेप्चा ने सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास में असमानता का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि चीन ने अपनी तरफ गांव और बुनियादी ढांचा बनाया है, जबकि भारत की तरफ ज्यादातर आरक्षित वन और अभयारण्य हैं जहां आवाजाही प्रतिबंधित है। बीजेपी सांसद दोरजी शेरिंग लेप्चा ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के पास, चीन ने गांव बसाए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले की समीक्षा करने और विकास की योजनाओं में असमानताओं को दूर करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कि चीन काफी समय से हमारे क्षेत्रों पर कड़ी नजर रख रहा है। सांसद ने कहा कि एलएसी

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को पलटा, कोटे में कोटे को दी मंजूरी

कहा- राज्य एससी-एसटी के लिए बना सकते हैं सब- कैटेगरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति में कोटे में कोटे को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा कि कोटे में कोटा असमानता के खिलाफ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की पीठ ने कहा है कि राज्य सरकार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों में सब कैटेगरी बना सकती है, जिससे मूल और जरूरतमंद कैटेगरी को आरक्षण का ज्यादा लाभ मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोटा के अंदर कोटा तर्कसंगत अंतर के आधार पर होगा। इसे लेकर राज्य मनमर्जी से काम नहीं कर सकते हैं। इसके साथ ही राज्यों की गतिविधियां न्यायिक समीक्षा के अधीन होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम मानते हैं कि सब कैटेगरी की अनुमति है लेकिन जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी ने इससे असहमति जताई। इसके साथ ही कोर्ट ने 2004 में ईवी चिन्नैया मामले में दिए सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों के फैसले को भी पलट दिया। मौजूदा पीठ ने 2004 में दिये उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एसी/एसटी जनजातियों में सब कैटेगरी नहीं बनाई जा सकती है।

2004 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सब कैटेगिरी करने का अधिकार नहीं है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मुख्य मुद्दा एससी और एसटी कैटेगिरी के भीतर सब-कैटेगिरी का है। अब कोर्ट यह बताएगा कि क्या अनुसूचित जाति और जनजाति श्रेणियों को सब-कैटेगरी में रिजर्वेशन मिलेगा या नहीं? क्या राज्य विधानसभाओं के पास कोटा के भीतर कोटा लागू करने का अधिकार है या नहीं?

1975 में पंजाब सरकार ने आरक्षित सीटों को दो श्रेणियों में विभाजित करके अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण नीति पेश की थी। एक बाल्मीकि और मजहबी सिखों के लिए और दूसरी बाकी अनुसूचित जाति वर्ग के लिए। 30 साल तक ये नियम लागू रहा। उसके बाद 2006 में ये मामला पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा और ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2004 के फैसले का हवाला दिया गया। पंजाब सरकार को झटका लगा और इस नीति को रद्द कर दिया गया। बाद में पंजाब सरकार ने 2006 में बाल्मीकि और मजहबी सिखों को फिर से कोटा दिए जाने को लेकर एक नया कानून बनाया, जिसे 2010 में फिर से चुनौती दी गई। हाई कोर्ट ने इस नीति को भी रद्द कर दिया। ये मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 2020 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने पाया कि ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के फैसले पर एक बड़ी बेंच द्वारा फिर से विचार किया जाना चाहिए, जिसमें कहा गया था कि एससी श्रेणी के भीतर सब कैटेगिरी की अनुमति नहीं है। उसके बाद सीजेआई के नेतृत्व में सात जजों की बेंच का गठन किया गया, जिसने जनवरी 2024 में तीन दिनों तक मामले में दलीलें सुनीं और उसके बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मोदी सरकार के कार्यकाल में बेरोजगारी घटी, महंगाई रही नियंत्रित

नई दिल्ली। (एजेंसी)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार के पिछले दस साल के कार्यकाल में बेरोजगारी घटी है और महंगाई नियंत्रण में रही है और केंद्रीय बजट 2024-25 में किसी भी राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है।

सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट पर करीब 20 घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मोदी सरकार का बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों और वंचितों के कल्याण पर केंद्रित है। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार के कार्यकाल की तुलना मोदी सरकार की कार्यकाल से करते हुए कहा कि महंगाई की औसत दर छह फीसदी से कम रही है।

राहुल और प्रियंका पहुंचे वायनाड.....

लैंडस्लाइड पीड़ितों से की मुलाकात

वायनाड। (एजेंसी)

वायनाड से पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी गुरुवार को वायनाड पहुंचकर मेपड्डी में लैंड स्लाइड प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है। उन्होंने यहां पीड़ित परिवारों व लोगों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया। राहुल सुबह 9.30 बजे कन्नूर हवाई अड्डे पर उतरे थे वहां से सड़क मार्ग के द्वारा वायनाड पहुंचे। पीड़ित परिवारों से मिलने के बाद उन्होंने अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी बहन एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज सुबह ही केरल पहुंचे थे। उन्होंने वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित इलाकों में बनाए गए विभिन्न राहत शिविरों का दौरा कर प्रभावित परिवारों के लोगों से मुलाकात कर हाल-चाल जाना हैं। गौरतलब है कि लैंडस्लाइड के कारण यहां के चार गांव पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं और अभी तक 257 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका सुबह 9.30 बजे कन्नूर हवाई अड्डे पर उतरे थे, जहां से वे सड़क मार्ग से वायनाड पहुंचे। इस दौरान उनके साथ पार्टी महासचिव एवं अलप्पुझा से कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल भी रहे। कांग्रेस पार्टी ने राहुल के दौरा कार्यक्रम को साझा करते हुए बताया था कि राहुल और प्रियंका चूरलमाला भूस्खलन स्थल के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डॉ. मूपेन मेडिकल कॉलेज और मेप्पाडी में बनाए गए दो राहत शिविरों का दौरा भी करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र चूरलमाला का दौरा किया। वे गुरुवार दोपहर भूस्खलन क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। इस दौरे के उपरांत राहुल और बहन प्रियंका मेप्पाडी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए रवाना हो गए। इस दौरे के दौरान भी घटनास्थल पर बारिश जारी रही।

मुइज्जू की गलतियों पर मिट्टी डाल.....माले की यात्रा पर जाएंगें जयशंकर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की अगले सप्ताह मालदीव की यात्रा करने की संभावना है, जो बीते साल नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद से भारतीय पक्ष की पहली उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्रा होगी। जयशंकर विकास सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों पर अपने समकक्ष मूसा जमीर के साथ बातचीत करने और यात्रा के दौरान मुइज्जू से भी मुलाकात करने वाले है। जमीर मालदीव की पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारतीय चुनावों से पहले भारत में थे और उनकी यात्रा के बाद जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के लिए राष्ट्रपति के रूप में मुइज़ू की पहली भारत यात्रा हुई।

जयशंकर की यात्रा इसकारण भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि संबंधों में शुरुआती तनाव के बाद दिल्ली-माले संबंधों में गति आ रही है। पद संभालने के बाद, राष्ट्रपति मुइज्जू ने अपने अभियान से भारत विरोधी बयानबाजी जारी रखी, जो इंडिया आउट आंदोलन और मालदीव से भारतीय सैनिकों को हटाने पर केंद्रित थी। उन्होंने भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के बजाय चीन का दौरा करके परंपरा को भी तोड़ दिया। दिसंबर 2023 में मालदीव ने घोषणा की कि वह भारत के साथ अपने हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते को नवीनीकृत नहीं करेगा। नई दिल्ली और माले के बीच तनाव तब बढ़ गया जब मालदीव के तीन उपमंत्रियों ने लक्षद्वीप यात्रा की तस्वीरों के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की। बाद में मंत्रियों को निलंबित किया गया। हालाँकि, उनकी टिप्पणियों ने सोशल मीडिया पर भारतीयों के बीच हंगामा मचा दिया। कई लोगों ने घोषणा की कि वे छुट्टियों के गंतव्य के रूप में मालदीव का बहिष्कार कर रहे हैं, कुछ ने द्वीपसमूह राष्ट्र की अपनी निर्धारित यात्राएं रद्द करने का भी दावा किया है।

लोकसभा में बिल पेश

फ्लाइट में बम की अफवाह फैलाने वाले को भरना पड़ेंगे एक करोड़

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश के एविएशन सेक्टर की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के मकसद से भारत सरकार ने अंग्रेजों के जमाने के 90 साल पुराने एयरक्राफ्ट ऐक्ट-1934 को बदलने जा रही है। इसके लिए सरकार ने बुधवार को लोकसभा में नया बिल पेश किया। इसका नाम भारतीय वायुयान विधेयक-2024 रखा गया है। इसमें हॉक्स कॉल करने वालों के खिलाफ सख्त नियम बनाते हुए दो साल तक की कैद या एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना या फिर दोनों सजा देने का प्रावधान है। बिल के बारे में बताया गया कि इसमें क्राइम करने पर भारतीय न्याय संहिता और दूसरे कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। उसके अलावा, इस बिल में फ्लाइट में बम होने, गोला-बारूद समेत दूसरी खतरनाक चीजों के होने की झूठी जानकारी देने वालों के खिलाफ दो साल तक की कैद या एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर के दायरे में अगर कोई जानवरों को काटता है, खाल उतारता है या फिर ऐसी गंदगी का कारण बनता है, जिससे एयर ट्रैफिक पर गंभीर प्रतिकूल असर पड़ सकता है तो उसके खिलाफ भी तीन साल तक की कैद और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। बिल में यात्रियों को मुआवजा देने, फ्लाइट एक्सिडेंट होने, कैंसल या डिले होने पर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन और दूसरी संबंधित एजेंसियों के पास क्या-क्या पावर हैं इसको बताया गया है। बिल से एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए और सिक्यॉरिटी के लिए जिम्मेदार बीसीएएस को और शक्ति मिलेगी। बिल में इन तमाम एजेंसियों को इमरजेंसी के दौरान पावर बढ़ाई गई हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि नया बिल पैसेंजर फ्रेंडली होगा। उसमें फ्लाइट के काफी अधिक समय तक डिले होने, बिना सही जानकारी दिए कैंसल करने और ऑनबोर्ड यात्रियों को एयरलाइंस के नियमों के तहत सुविधाएं न देने पर अधिक पेनल्टी लगाने के साथ ही कड़ी कार्रवाई करने का भी प्रावधान रखा गया है। साथ ही यात्रियों के भी क्रू मेंबर से बदसलूकी करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। 90 साल पहले बनाए गए एयरक्राफ्ट ऐक्ट में समय-समय पर जरूरतों के मुताबिक संशोधन होते रहे। मगर, जिस तेजी से इंडियन एविएशन सेक्टर में तेजी आ रही है। उस हिसाब से आज के जमाने के हिसाब से खरा उतरने वाला विधेयक चाहिए था। उस पर यह नया भारतीय वायुयान विधेयक-2024 खरा उतरेगा।

पुराने बिल में 90 साल में 21 बार हुए संशोधन

लोकसभा में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि यह बिल इंटरनैशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन (आईसीएओ) के तमाम कायदे-कानूनों और देश के एविएशन सेक्टर में आज और भविष्य की जरूरतों पूरा करने वाला होगा।

पुराने बिल में 90 साल में 21 बार संशोधन किए गए। उन तमाम संशोधनों और देश में तेजी से बढ़ते एविएशन सेक्टर की जरूरतों को पूरा करने में यह बिल खरा उतरेगा। हालांकि, नागर विमानन मंत्री नायडू के इस बिल को सदन में पेश करने पर आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने बिल का नाम केवल हिंदी में रखने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। इस पर नायडू ने कहा कि हिंदी में नाम लेकर किसी संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है। हम अपनी पहचान को लेकर आगे बढ़े हैं, इसमे कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। नायडू ने कहा कि तीन आपराधिक कानूनों में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा के दौरान बिल के नामकरण पर आपत्ति का समाधान हो गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अरब क्षेत्र की चिंता

इजरायल की आक्रामकता का नया सिलसिला फिर चर्चा में है और इसके साथ ही पश्चिम एशिया के देशों में चिंता की नई लहर दौड़ गई है। पहले लेबनान के बेरूत में आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के कमांडर फउद का अंत कर दिया गया और उसके बाद ईरान के तेहरान में आतंकी संगठन हमास के नेता इस्माइल हनियेह की हत्या कर दी गई। बुधवार शाम तक एक ही हत्या की जिम्मेदारी इजरायल की ओर से ली गई। ईरान में हुई सनसनीखेज हत्या विश्व राजनय के लिए ज्यादा गंभीर मामला है। इसमें कोई दोराय नहीं कि इजरायल घोषित रूप से हमास और अन्य आतंकी संगठनों को समाप्त कर देना चाहता है, पर उसके तरीके को लेकर विवाद बढ़ सकता है। हिजबुल्लाह के कमांडर का तो इजरायल ने सीधे अपराध भी गिना दिया है। उसे इजरायल में 12 बच्चों की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया है। फिलहाल, खासकर इस्माइल हनियेह की हत्या इसलिए ज्यादा मायने रखती है, क्योंकि वह युद्धविराम की बातचीत में शामिल थे। गाजा को लेकर पहले ही भयंकर विवाद चल रहा है और पिछले कुछ दिनों से इजरायल व लेबनान में संघर्ष की स्थिति बढ़ गई है। ऐसे में, लेबनान में इजरायल द्वारा की गई कार्रवाई से जंगी माहौल को ही बल मिलेगा। गौर करने वाली बात है कि हमास भले ही एक आतंकी संगठन हो, पर पश्चिम एशिया के देशों में उसे अलग नजरिये से देखने वाले बहुत हैं। तभी तो हमास ने अपने नेता की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए उनको शहीद बताया है। इस्माइल चूंकि नए ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ समारोह में भाग लेने गए थे, इसलिए ईरान में भी बहुत नाराजगी है। पश्चिम एशिया में आज एक बड़ा सवाल है कि क्या ईरान इजरायल पर हमलावर हो सकता है? वैसे तो इजरायल के प्रति पश्चिम एशिया के देशों में बहुत हद तक नफरत का भाव है, पर इजरायल अपने दुश्मनों पर इक्कीस साबित होता रहा है। पश्चिम एशिया के देश रह-रहकर अपना गुस्सा प्रकट करते हैं, पर सीधे इजरायल से लड़ना उनके लिए आसान नहीं है। इजरायल ने यह एहसास उन सभी देशों को करा दिया है कि खुली जंग किसी के लिए भी खतरे से खाली नहीं है। आज जिस तरह की स्थिति पश्चिम एशिया में है, साफ तौर पर यह कहना मुश्किल है कि कौन पूरी तरह सही है और कौन पूरी तरह गलत। इजरायल अपने दुश्मनों के प्रति जरूरत से ज्यादा आक्रामक है, तो इसके पीछे शायद उसके अपने पुराने अनुभव हैं। दूसरी ओर, अनेक देश हैं, जो आतंकियों को पूरा सहयोग देते हैं, अपनी जमीन पर पनपने-रहने देते हैं, हथियार देते हैं, ऐसे देशों का खुलकर कैसे पक्ष लिया जाए? पश्चिम एशिया में प्रतिशोध एक बहुत त्रासद शब्द है, उसके बारे में सोचकर सिवाय दुख के कुछ भी हासिल नहीं होता। अगर तेहरान में मारे गए इस्माइल की ही बात करें, तो पूर्व में उनके परिवार के करीब 14 लोग मारे जा चुके हैं। ये सभी 14 लोग कतई आतंकी नहीं थे। प्रतिशोध के नाम पर मासूम बच्चों को भी नहीं छोड़ा जाता, न इजरायल छोड़ता है और न हिजबुल्लाह या हमास, तो फिर भलमनसाहत या इंसानियत का अतिरिक्त लाभ किसे दिया जाए? बदला लेने का यह बर्बर तरीका किस मजहबी किताब से सीखा गया है? मजहब के नाम पर हैवानियत भरी जंग की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। कम से कम आधा दर्जन पश्चिम एशियाई देशों का रवैया सिर्फ निराश ही नहीं करता है, बल्कि पूरी दुनिया को चिंता में डाल देता है।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

क्यों हो रहा रेल परिचालन फेल ?

(लखिका - निर्मल रानी)

गत 30 जुलाई को सुबह सुबह क़रीब पौने चार बजे एक और रेल हादसा दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर डिवीज़न के तहत पेश आया। झारखंड के जमशेदपुर से 80 किलोमीटर दूर सरायकेला-खरसावां ज़िले में बंबू नामक स्थान पर मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में दो रेल यात्रियों की मौत हो गयी व 20 से अधिक लोगों के घायल होने का समाचार है। पूर्व में हो रहे अन्य रेल हादसों की ही तरह इस रेल दुर्घटना की भी जांच के आदेश दे दिए गये हैं। यह भी ख़बर है कि इसी दुर्घटनास्थल के पास में ही एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई थी। लेकिन अभी यह साफ़ नहीं है कि क्या इन दोनों ट्रेंस की दुर्घटनाएं एक साथ हुई थीं या आगे पीछे। बुलेट ट्रेन की दुनिया में प्रवेश करने व विश्व की आधुनिकतम रेल सेवाओं का दावा करने वाली भारतीय रेल को गत 13 दिनों के भीतर ही 7 रेल दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ा है। निश्चित रूप से इस तरह से आए दिन हो रही रेल दुर्घटनाएँ बेहद चिंता का विषय हैं। ज़ाहिर है इस तरह की लगातार होने वाली दुर्घटनाओं के बाद यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार रेल संचालन में सुरक्षा व्यवस्था के लिये किये जाने वाले ज़रूरी क़दम उठा भी रही है अथवा नहीं ? लगातार हो रहे इतने हादसों के बाद रेल यात्रियों में भारतीय रेल व्यवस्था के प्रति असुरक्षा व अनिश्चितता का भाव पैदा होना भी स्वाभाविक है।

झारखण्ड में गत मंगलवार की अलस सुबह हुये मुंबई-हावड़ा मेल के हादसे से एक ही दिन पहले 29 जुलाई को समस्तीपुर-मुज़फ़्फ़रपुर रेलखंड पर दरभंगा से दिल्ली जा रही 12565 बिहार संपर्क क्रांति सुपरफ़ास्ट ट्रेन, कपलिंग टूटने के कारण दो हिस्सों में बंट गई थी। इस रूट पर आ रही अन्य ट्रेन्स को तत्काल रोकने का आदेश दिया गया ताकि किसी बड़े हादसे को टाला जा सके। उससे पहले 21 जुलाई को दो ट्रेन हादसे हुये। पहला ट्रेन हादसा राजस्थान के अलवर में हुआ जहां यार्ड से निकली मालगाड़ी के तीन डिब्बे पलट गये। इसके कारण अलवर मथुरा ट्रैक बाधित हुआ। दूसरा हादसा 21 जुलाई को ही पश्चिम बंगाल के रानाघाट में हुआ। यहाँ भी एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई है। इस हादसे के कारण भी इस रेल मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। और इसके एक दिन पूर्व यानी 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ियाबाद -मुरादाबाद सेक्शन के बीच अमरोहा में कंटेनर से भरी ट्रेन के 6 डिब्बे पटरी से उतर गए। इसके कारण दिल ली-लखनऊ रेलवे लाइन की दोनों लाइनें बंद करनी पड़ींऔर दोनों और का रेल यातायात प्रभावित हुआ। इसी तरह 19 जुलाई को गुजरात के वलसाड-सूरत स्टेशन के बीच एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया। डुंगरी स्टेशन के पास हुई इस घटना के कारण इस रेल मार्ग पर भी यातायात प्रभावित हुआ। इत्तेफ़ाक़ से मुंबई-अहमदाबाद ट्रंक रूट पर यह दुर्घटना उस समय हुई थी जबकि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पश्चिमी रेलवे मुख्यालय में रेलवे सुरक्षा सहित रेल संबंधी अन्य विषयों का निरीक्षण कर रहे थे। इस दुर्घटना से भी एक दिन पूर्व अर्थात 18 जुलाई को उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक बड़ा रेल हादसा हुआ जबकि गोरखपुर जा रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 17 बोगियां बेपटरी हो गयीं। परिणामस्वरूप 5 बोगियां पलट गईं। इस दुर्घटना में 4 यात्री की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हो गए थे। मात्र जून और जुलाई 2024 में हुई केवल तीन दुर्घटना में कुल मिलाकर 17 यात्रियों की जान चली गई और 100 लोग घायल हो गए। इसके अलावा भी गत एक वर्ष के ही दौरान कई भीषण रेल दुर्घटनाएं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के ही कार्यकाल में होती रही हैं। परन्तु इस बार राजग 3 के कार्यकाल में भी अश्विनी वैष्णव को ही रेल मंत्रालय का ज़िम्मा सौंपने का सीधा अर्थ है कि प्रधानमंत्री, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिछले कार्यकाल की उनकी कारगुज़ारियों से संतुष्ट थे। जबकि हक़ीक़त यह है कि अश्विनी वैष्णव के कार्यकाल में रेल यात्रियों को सुख सुविधा मिलने के बजाये उन की परेशानियों में इज़ाफ़ा ही हुआ है। आये दिन होने वाली छोटी बड़ी दुर्घटनाओं को केवल जान व माल की क्षति के आधार पर ही आंकना काफ़ी नहीं है। बल्कि दुर्घटनास्थल पर होने वाले व्यवधान के चलते जो मार्ग परिवर्तन किये जाते हैं और उसके कारण जिन लाखों यात्रियों को परशानियों व नुक़सान का सामना करना पड़ता है,भारी राजस्व की क्षति होती है, उसका तो कोई आंकड़ा ही नहीं होता। जिन देशों में भारत का डंका बजना प्रचारित किया जाता है वहाँ जब इन आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं की ख़बर प्रसारित होती होगी तो भारतीय रेल व्यवस्था का कैसा डंका बजता होगा,सरकार ने कभी इस बारे में भी सोचा है ? इन हादसों से रेल यात्रियों को होने वाली परेशानी के अलावा भी रेल मंत्रालय की अनेक नीतियों के चलते भी इन दिनों रेल यात्रा करना बेहद मुश्किल हो गया है। देश की अनेक ट्रेन्स में ए सी कोच की संख्या बढ़ाकर सामान्य कोच की संख्या घटा दी गयी है। कई इंटरसिटी गाड़ियों में बिना ज़रुरत के स्लीपर कोच लगाये गए हैं और उनमें भी सामान्य कोच की संख्या घटा दी गयी है। उदाहरणार्थ 14712 /11 नंबर की गंगानगर -ऋषिकेश -गंगानगर एक्सप्रेस ट्रेन को समाप्त कर उसकी जगह 14815 /16 बाड़मेर -ऋषिकेष एक्सप्रेस के नाम से उसी समय सारिणी के अनुसार एक ट्रेन चलाई गयी है जिसमें आधे कोच ए सी के हैं और आधे स्लीपर श्रेणी के ।और केवल 2 -2 डिब्बे आगे पीछे सामान्य श्रेणी के हैं। आजकल चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान राजस्थान -पंजाब -हरियाणा व उत्तर प्रदेश के तमाम कांवड़ भक्त इसी 14712 /11से हरिद्वार -ऋषिकेश जाते थे पूरी ट्रेन सामान्य होने के बाद भी इसमें पैर रखने की जगह नहीं होती थी। ज़रा सोचिये अब जबकि लगभग पूरी 14815 /16 बाड़मेर -ऋषिकेष एक्सप्रेस ए सी व स्लीपर क्लास है तो सामान्य श्रेणी के यात्रियों पर क्या गुज़र रही होगी। कांवड़ियों के साथ आम यात्रियों को कितनी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा होगा ? और यदि यह सामान्य यात्री जगह न मिलने की सूरत में ए सी व स्लीपर क्लास में जाते हैं तो आरक्षण यात्रियों को भी असुविधा होती है। टिकट निरीक्षक पैसों की वसूली करते हैं और यात्रियों को अपमान भी सहना पड़ता है। हाँ इतना ज़रूर है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भले ही वंदे भारत को हरी झंडी दिखाने की या पुराने रेल स्टेशंस के नवीनीकरण तक की भी इजाज़त नहीं परन्तु उन्होंने अपने मंत्रालय के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रचार प्रसार करने और उनके एजेंडे के अनुसार काम करने में कोई कसर बाक़ी नहीं छोड़ी। वे प्रधानमंत्री को ख़ुश करने में इतना व्यस्त है कि शायद उन्हें इस बात की फ़िक्र ही नहीं कि आख़िर रेल परिचालन क्यों फ़ेल हो रहा है ?

केरल का भूस्खलन प्राकृतिक आपदा या मानवीय दुस्साहस का परिणाम?

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

प्रकृति से छेड़छाड़ मानव-समाज के लिए सदा ही भारी पड़ी है। इसलिए विश्व को सुखी देखने की मंशा रखने वाले हमेशा से ही यह संदेश देश और दुनिया को देते आ रहे हैं कि प्रकृति का दोहन करें, लेकिन इतना नहीं कि प्रकृति खुद संतुलन बनाने के लिए बाध्य हो जाए। ऐसे में केरल के वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन का असली जिम्मेदार कौन हो सकता है? इसे महज प्राकृतिक आपदा मानना एक और बड़ी भूल होगी? दरअसल देखना होगा कि इस प्राकृतिक आपदा होने से पहले आपदाग्रस्त इलाके में वर्षों से होता क्या आ रहा था। इस सवाल का भी जवाब तलाशा जाना चाहिए कि जहां भूस्खलन हुआ और करीब 250 से ज्यादा लोगों की असमय दर्दनाक मौत हुई क्या वहां वाकई बस्तियां बसाई जा सकतीं थीं? भू-विज्ञानियों की मानें तो यह क्षेत्र लैंडस्लाइड जोन का हिस्सा रहा है और इसमें भविष्य में और खतरे उत्पन्न होने की आशंकाएं आम थीं। बाबजूद इसके चंद चांदी के टुकड़े बटोरने और लोगों को भ्रम में रखने वालों ने मिलकर बस्तियां बसाने का जो दुस्साहस दिखाया उसका भयानक परिणाम देश और दुनियां ने देख लिया है।

जरा मस्तिष्क में जोर डालें और खुद से सवाल करें कि केरल में हुए भीषण भूस्खलन के लिए असली जिम्‍मेदार कौन हो सकता है? व या वाकई इसे प्राकृतिक आपदा मान और सरकारी आंकड़ों के लिहाज से मौत और मुआवजा का आंकलन कर चंद लोगों की जिम्मेदारी तय कर देने से समस्या का हमेशा के लिए समाधान निकल आएगा? आप स्वयं से विचार करें और बताएं कि क्या इस भयानक प्राकृतिक आपदा को निमंत्रण देकर ढाई सौ से अधिक लोगों को कालकलवित करवाने में आज के अतिभौतिक सुख भोगने की आकांक्षा रखने वाले मानव का हाथ नहीं है? यह एकमात्र सवाल उन तमाम सवालों पर भारी पड़ जाता है, जो शासन-प्रशासन को लेकर उठाए जाते हैं और चंद दिनों में, चंद लोगों को जिम्मेदार ठहराकर लाल रंग के बस्ते में बंद कर दिए जाते हैं। इसका अलग से आंकलन और विश्लेषण इसलिए जरुरी है, क्योंकि वायनाड में जिन जगहों पर भूस्खलन हुआ है वहां मानव जनित बस्तियों का होना अपने आप में गंभीर सवाल है। यह पूरा इलाका लैंडस्लाइड जोन वाला बताया गया है, बावजूद इसके वायनाड में पिछले दो दशक से पर्यटन को बढ़ावा देने कथित खूबसूरती को और खूबसूरत बनाने और उससे पैसा बनाने के लिए जिस तरह से पहाड़ों की कटाई-छटाई करते हुए अंधाधुंध निर्माण कार्य किए गए, उसने प्रकृति को संतुलन बनाने के लिए मजबूर कर दिया। यह तय है कि जब प्रकृति संतुलन बनाती है तो बहुत बेदर्दी के साथ चक्की के दो पाटों के बीच मनुष्य और तमाम जीव-जंतु घुन की तरह पिसते चले जाते हैं। वायनाड भूस्खलन इसका बहुत ही छोटा नमूना है, जिससे न सिर्फ सबक लेने की जरुरत है बल्कि ऐसा आगे न हो अत- भौतिक सुखों से इतर प्रकृतिस्थ हो जाने का रास्ता खोजने का भी समय है।

जहां प्रकृति के विपरीत मानवजनित निर्माण कार्य किए गए और इकॉसिस- टम को बिगाड़ने जैसा काम किया गया, वहां प्राकृतिक आपदा आई है। वायनाड की भीषण त्रासदी के बाद जब मामला स्थानीय पुलिस और फायर फोर्स से सम्भाला नहीं जा सका तो सेना, वायुसेना, नौसेना, एनडीआरएफ जैसी तमाम एजेंसियों की टीमों को राहत व बचाव कार्य में लगा दिया गया। सकारात्मकता के साथ दुर्गम इलाके में मानव निर्मित पुल तैयार कर करीब 1000 लोगों को बचा भी लिया गया। गौरतलब है कि वायनाड के चूरलपारा में मंगलवार 30 जुलाई को भीषण भूस्खलन हुआ था। चूंकि भूस्खलन मध्यरात्रि करीब 2 बजे हुआ और घटना स्थल पूरी तरह से कट गया, इससे इसकी भीषणता बढ़ गई। इस दुर्घटना में सबसे ज्यादा प्रभावित चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पोथुकालू क्षेत्रों को शामिल किया गया हैं। इन इलाकों में रहने वाले कुछ ऐसे लोग जो इस प्राकृतिक आपदा से किसी तरह बच निकलने में सफल रहे, वो भी तबाही की भयावहता से बुरी तरह टूट गए हैं। ऐसा नहीं है कि इन्हें मदद नहीं पहुंचाई जा रही है या दिलासा देने वालों की कमी है, लेकिन जिन्होंने अपना सब-कुछ खो दिया उसे खुद को समझाना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे लोगों को समय रहते ज्यादा से ज्यादा मदद और मानवीय सहायता दी जानी चाहिए। ताकि प्राकृतिक आपदा के दर्द को कुछ कम किया जा सके।

वैसे यह भी हकीकत के तौर पर कहा जा रहा है कि यदि शासन-प्रशासन ने केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) की 2020 में दाखिल की गईं सिफारिशों को मान लिया होता तो शायद इस आपदा से काफी कुछ लोगों को बचाया जा सकता था। सवाल वही कि इससे पहले ही क्यों नहीं जागा गया और मौत के मुंह में हजारों लोगों को बसाने का काम तभी बंद क्यों नहीं कर दिया गया? संभवत- तब इतने अधिक लोगों की निरीह जानें नहीं गई होतीं। बताया जाता है कि राज्य के राजस्व विभाग को पश्चिमी घाट के पूर्वी ढलान वाले करीब चार हजार परिवारों को फौरीतौर पर जगह खाली करने के निर्देश देने के लिए चेतावनी भरी समझाइश भी दी गई थी। चूंकि पूरा क्षेत्र ही लैंडस- लाइड जोन में आता है, अत- यह सावधानी तो अवश्य ही ली जानी चाहिए थी, लेकिन सब कहे-सुने को नजरअंदाज करने का परिणाम देश और दुनियां के सामने है। इसे यूं ही प्राकृतिक आपदा कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता, बल्कि जिम्मेदारी तय कर तमाम दोषियों को कानून के दायरे में लाना भी आगामी हादसों को रोकने में एक आवश्यक कदम साबित हो सकता है।

विचार मंथन

भारत में भी हिंसक होने लगे हैं, छोटे-छोटे बच्चे

(लेखक- सनत जैन)

बिहार के सुपौल जिले के त्रिवेणीगंज में सेंट जॉन बोर्डिंग स्कूल में एलकेजी के छात्र ने अपने से बड़े छात्र को पिस्तौल की गोली से स्कूल में मारने की घटना सामने आई है। बच्चा छोटा था, पिस्तौल से जब गोली चलाई, उसे झटका लगा। जिसके कारण जिस बच्चे को गोली मारी गई थी, निशाना चूकने के कारण उसके हाथ में गोली लगी। जिसके कारण बच्चे की जान बच गई। गोली मारने वाला बच्चा 8 साल का था। जिसे गोली मारी गई, उसकी उम्र 12 साल की थी। बोर्डिंग स्कूल में यह घटना घटी। जिस छात्र ने गोली चलाई थी। वह अपने घर से स्कूल बैग में पिस्तौल रखकर लाया था। यह घटना भारत की सामाजिक व्यवस्था मे छोटे-छोटे बच्चों के हिंसक विचार ओर उनके मनोभाव को देखने की है। छोटे-छोटे बच्चे इतने हिंसक क्यों हो रहे हैं। इस तरह की घटनाएं अमेरिका जैसे देशों में देखने और सुनने में आती थीं। अब यह घटनाएं भारत में भी होने लगी हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। पिछले कुछ वर्षों से ऑन लाइन वीडियो गेम का प्रचलन बड़ी तेजी के साथ भारत में बढ़ा है। वीडियो में बच्चों को हथियार के साथ खेलते हुए और एक दूसरे के साथ मारामारी करते हुए गेम बने हुए हैं। छोटे-छोटे बच्चे गेम देखते हुए दूध पीते हैं। नाश्ता करते हैं, और खाते-पीते हैं। यदि इन्हें मोबाइल या टीवी पर वीडियो गेम नहीं दिखाया जाए, तो यह घर पर आक्रामक हो जाते हैं। बच्चे अपनी नाराजी को माता-पिता और भाई बहनों के साथ तरह-तरह से प्रकट करते हैं। संयुक्त परिवार खत्म हो गए हैं। माता-पिता अपने बच्चों को अब किस्से कहानी नहीं सुनाते हैं, उनके पास इसके लिए समय ही नहीं है। ऐसी स्थिति में वह अपने बच्चों को टीवी और वीडियो गेम को दिखाना शुरू कर देते हैं। बच्चे अकेले रहते हैं। इसलिए भी उनकी सोच और दुनिया बदलती जा रही है। भारत के टेलीविजन चैनल भी हिंसा को फैलाने में बड़ा योगदान दे रहे हैं। हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक एवं सामाजिक भेदभाव की हिंसक घटनाओं का जिस तरह से चित्रण नेशनल टेलीविजन चैनल कर रहे हैं, उससे बच्चों के दिमाग में हिंसा फैल रही है। कहा जाता है, छोटी उम्र के बच्चे बड़े संवेदनशील होते हैं। वह जो अपने आसपास देखते ओर सुनते हैं। इसका उनके ऊपर गहरा असर होता है। पहले बच्चों को दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता बड़े भाई-बहन अच्छी-अच्छी साहसिक एवं ज्ञानवर्धक कहानियाँ सुनाते थे। सामाजिक सद्भाव के साथ रिश्तों से जुड़ने की सीख देते थे। इसका बड़ा असर बच्चों पर संस्कार के रूप में होता था। डिजिटल इंडिया के इस दौर में बच्चों के लिए जिस तरह से हिंसक वीडियो तैयार किये जा रहे हैं। खिलौने के रूप में मिले हथियार से बच्चे खेल रहे हैं। घर और बाहर वह नफरत का वातावरण और हर तरफ हिंसा ही हिंसा बच्चों को दिखती है। इस हिंसा का असर छोटे-छोटे बच्चों पर कई तरह से पड़ रहा है। बिहार के स्कूल में 8 साल के बच्चे ने अपने से 4 साल बड़े बच्चे को गोली मारकर इसका असर दिखा दिया है। भारत में अभी तक इस तरह की घटनाएं नहीं होती थीं। अब इस तरह की घटनाएं भारत में भी होने लगी हैं, तो यह चिंता का विषय है। अमेरिका जैसे देश में खुलेआम हथियारों की बिक्री होती है। हर घर में हथियार उपलब्ध होते हैं। अमेरिका जैसे देश में सुरक्षा की दृष्टि से हथियार रखना जरूरी होता है। भारत में हथियार बिना लाइसेंस के उपलब्ध नहीं होते हैं। सरकार और प्रशासन लाइसेंस पूरी जांच करने के बाद ही देते हैं। भारत में पिछले कई वर्षों से अवैध हथियारों की बिक्री बड़ी तेजी के साथ हो रही है। भारत के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से हथियार बनाकर बेचे जाते हैं। बहुत कम कीमत पर अवैध हथियार आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। इस छोटे बच्चे के पास किस तरह से रिवाल्वर आई, कैसे यह छात्र इतना हिंसक हो गया, इसकी जांच केवल आपराधिक कार्रवाई की तरह नहीं होनी चाहिए। छोटे-छोटे बच्चों पर किस तरह से हिंसा घर कर रही है। इसका भी अध्ययन कराया जाना जरूरी है। भारत की सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्था बड़ी तेजी के साथ बदली है। हर मां-बाप और बच्चों के पास इन दोनों मोबाइल फोन देखने को मिलते हैं। वीडियो गेम से लेकर इंटरनेट पर पॉर्न वीडियो इत्यादि छोटे-छोटे बच्चे और कम उम्र के युवा देखने लगे हैं। इसके दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। एक घटना हाल ही में सामने आई है। जब 13 साल के बड़े भाई ने अपनी 8 साल की छोटी बहन के साथ दुष्कर्म किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एफडीआई आकर्षित करने रणनीतिक सुधार जरूरी: जीटीआरआई

नई दिल्ली । देश में वैश्विक निवेशकों को ओर अधिक आकर्षित करने रणनीतिक सुधारों की जरूरत है, क्योंकि प्रचुर संभावनाएं होने के बावजूद एफडीआई आंकड़े यह बताते हैं कि देश ने अपने अवसरों का पूरी तरह से लाभ नहीं लिया है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने गुरुवार को यह बात कही। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने चार-चरणीय योजना का सुझाव दिया और कहा कि भारत को विदेशी निवेशकों के लिए एक अग्रणी विकल्प के रूप में स्थापित करने में मदद करने वाले उपायों में देश में स्थानांतरित होने वाली कंपनियों के लिए लागत संबंधी नुकसान को कम करना, समूचे कारोबारी चक्र में व्यापार सुगमता में सुधार करना और निवेश प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना शामिल है। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 44.4 अरब अमरीकी डॉलर का एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) आकर्षित किया, जो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 1.1 प्रतिशत है। आर्थिक शोध संस्थान ने कहा कि विश्व विकास रिपोर्ट 2023 में उल्लेख है कि देश चीन (189.1 अरब अमरीकी डॉलर), ब्राजील (86.1 अरब अमरीकी डॉलर), ऑस्ट्रेलिया (61.6 अरब अमरीकी डॉलर) और कनाडा (52.6 अरब अमरीकी डॉलर) जैसे देशों से काफी पीछे है। जीटीआरआई ने सुझाव दिया गया कि भारत को चीन से स्थानांतरित होने वाले या वैकल्पिक उत्पादन स्थानों पर विचार करने वाले व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी लागत संरचना की पेशकश करनी चाहिए। इसके लिए भारत को चार लागत-संबंधी घटकों श्रम, दर सामग्री, ऊर्जा और वित्तीय लागत पर ध्यान देने की जरूरत है।

सीगल का आईपीओ खुला, 5 अगस्त तक कर सकेंगे बिडिंग

मुंबई । सीगल इंडिया लिमिटेड का आईपीओ खुल गया है। रिटेल निवेशक 5 अगस्त तक आईपीओ के लिए बिडिंग कर सकेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी के शेयर 8 अगस्त को लिस्ट होंगे। इस इश्यू के जरिए कंपनी 1,252.66 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 684.25 करोड़ रुपए के 17,063,640 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है। जबकि कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 568.41 करोड़ के 14,174,840 शेयर बेच रहे हैं। सीगल इंडिया लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 380-401 रुपए तय किया है। रिटेल निवेशक न्यूनतम 37 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 401 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,837 निवेश करने होंगे। वहीं अधिकतम 481 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,881 रुपए खर्च करने होंगे।

ब्रेनबीज के आईपीओ का मूल्य दायरा 440-465 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली । ऑनलाइन ई-वाणिज्य मंच फर्स्टक्राई की मूल कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशंस ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 440-465 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का 4,194 करोड़ रुपये का आईपीओ छह अगस्त को खुलेगा। तीन दिन का निर्गम आठ अगस्त को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक पांच अगस्त को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। पुणे स्थित ब्रेनबीज सॉल्यूशंस के प्रस्तावित निर्गम में 1,666 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर और 2,528 करोड़ रुपये के 5.44 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इससे इस आईपीओ का आकार 4,194 करोड़ रुपये है।

देश के सैकड़ों बैंकों पर रैनसमवेयर अटैक से कामकाज ठप

नई दिल्ली ।

देश के करीब 300 बैंक पर साइबर अटैक की चपेट में आ गए हैं, जिससे यूपीआई, नेफ्ट से हित कई बैंकिंग सेवाएं ठप हो गई हैं। नेशनल बैंकिंग सिस्टम ने एक नोटिस जारी कर जानकारी दी कि कुछ बैंकों में यूपीआई, आईपीएमएस और अन्य पेमेंट सिस्टम ग्राहकों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, बैंकों को टेक्निकल सपोर्ट उपलब्ध कराने वाली कंपनी सी-एज टेक्नोलॉजीस पर रैनसमवेयर अटैक किया गया है जिसकी वजह से 300 बैंकों में कामकाज ठप हो गया है। मामला सामने आने के बाद नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने कंपनी पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोटिस जारी करते हुए कहा कि पेमेंट इको-सिस्टम पर बड़े प्रभाव को रोकने के लिए एनपीसीआई ने सीएज टेक्नोलॉजी को एनपीसीआई द्वारा संचालित खुदरा पेमेंट सिस्टम तक पहुंचने से अस्थायी रूप से अलग कर दिया है। सीएज की ओर सर्विस लेने वाले बैंकों के ग्राहक कुछ समय तक पेमेंट सिस्टम का उपयोग नहीं कर पाएंगे। एनपीसीआई के मुताबिक सीएज एक टेक्नोलॉजी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है। ज्यादातर इसकी सर्विस का इस्तेमाल को-ऑपरेटिव और क्षेत्रीय

बैंक करते हैं। ऐसे में इन बैंक पर रेनसोमवेयर का प्रभाव अधिक रहा है। बताया गया है कि गुजरात के 17 जिलों के को-ऑपरेटिव बैंक प्रभावित हुए हैं।

टीपी परिवर्त महाराष्ट्र में सौर परियोजना स्थापित करेगी

नई दिल्ली । टीपी परिवर्त लिमिटेड ने महाराष्ट्र के अकोला में टाटा स्टील के लिए 70 मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित करने के लिए एक समझौते पर दस्तखत किए हैं। टीपी परिवर्त टाटा पावर

रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) की अनुषंगी कंपनी है। वहीं टीपीआरईएल, टाटा पावर की अनुषंगी कंपनी है। बीएसई को दी सूचना के अनुसार टीपी परिवर्त ने देश की अग्रणी इस्पात विनिर्माण कंपनियों में से एक टाटा स्टील के साथ महाराष्ट्र के अकोला में 70 मेगावाट के समूह कैप्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए विद्युत वितरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी सूचना के अनुसार इस परियोजना से सालाना 15.4 करोड़ यूनिट बिजली उत्पन्न होने और कार्बन उत्सर्जन में 1,15,000 टन की कमी आने की उम्मीद है।

सेमसंग का दूसरी तिमाही में परिचालन लाभ 15 गुना बढ़ा

मुंबई । इस साल की दूसरी तिमाही में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का परिचालन लाभ एक साल पहले की तुलना में 15 गुना से अधिक बढ़ गया। पे रिचालन लाभ बढ़ने का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

(एआई) तकनीकों के विस्तार के बीच मेमोरी चिप्स की मजबूत मांग बताया जा रहा है।दक्षिण कोरियाई सेमीकंडक्टर और स्मार्टफोन दिग्गज ने एक बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के लिए उसका परिचालन लाभ 10.4 ट्रिलियन वॉन (7.5 बिलियन) रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 670 बिलियन वॉन था।यह पहली बार है जब सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2022 की तीसरी तिमाही के बाद से सात तिमाहियों में 10 ट्रिलियन वॉन से अधिक का परिचालन लाभ दर्ज किया है। सैमसंग ने कहा कि उसकी समेकित राजस्व लगभग 23 फीसदी बढ़कर 74 ट्रिलियन वॉन (53 बिलियन) हो गया। कंपनी ने कहा कि अनुकूल बाजार स्थितियों ने उच्च औसत बिक्री कीमतों को प्रेरित किया, जबकि ऑर्गेनिक लाइट-एमिटिंग डायोड पैनलों की मजबूत बिक्री ने भी बेहतर परिणामों में योगदान दिया। कंपनी ने कहा कि उसके चिप व्यवसाय ने जून तक तीन महीने की अवधि के लिए बिक्री में 28.6 ट्रिलियन वॉन अर्जित किए, जिसमें 6.45 ट्रिलियन वॉन का परिचालन लाभ था। यह कंपनी के प्रमुख व्यवसाय के लिए एक साल से अधिक समय में पहला तिमाही परिचालन लाभ था, क्योंकि यह 2023 की पहली तिमाही से लगातार पांच तिमाहियों तक घाटे में रहा था।

शेयर बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद , निफ्टी पहली बार 25,000 से ऊपर पहुंचा

सेंसेक्स 81,867 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को भी तेजी रही। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे आज बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुए। निफ्टी आज पहली बार 25,000 से ऊपर पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 126.21 अंक करीब 0.15 फीसदी बढ़कर 81,867.55 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 59.75 अंक तकरीबन 0.24 फीसदी बढ़कर पहली बार 25,000 के ऊपर जाने के बाद 25,010.90 के सबसे उच्च स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, मारुति, भारती एयरटेल, रिलायंस, जेएस्डब्लूय स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, एचयूएल, टाइटन और टीसीएस के शेयर भी लाभ के साथ बढ़े हैं।

दूसरी ओर 15 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें एमएंडएम , टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एसबीआई और टाटा मोटर्स के शेयर रहे। इसके अलावा, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनैंस, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयर भी नीचे आये।

वहीं आज एशियाई बाजार में गिरावट रही। जापान के निक्के केई में 2.58 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग में 0.36 फीसदी की गिरावट है। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.26 फीसदी की गिरावट है।

गत दिवस अमेरिकी बाजार का डाओ जोंस 0.24फीसदी चढ़कर 40,842 पर बंद हुआ। नेसडेक 2.64 फीसदी की बढ़त के साथ 17,599 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 1.58फीसदी की तेजी रही।

गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। बीएसई सेंसेक्स 388 अंकों की बढ़त के साथ 82,000 का आंकड़ा पार कर पहली बार 82,129.49 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी50 127 अंकों की बढ़ोतरी के साथ पहली बार 25,000 के आंकड़े को पार कर 25,078.30 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा। व्यापक बाजारों में भी तेजी देखी गई। स्मालकैप 0.44 फीसदी बढ़ा जबकि मिडकैप में 0.35 फीसदीकी तेजी देखी गई।

1 अगस्त से बढे कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव

- हवाई ईंधन के दाम भी 3006.71 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़े

नई दिल्ली ।

भारत में तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में बदलाव करती हैं। गुरुवार 1 अगस्त से सरकारी तेल कंपे नियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। पिछले महीने 1 जुलाई को, तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 30 रुपये की कटौती की थी, लेकिन अब 1 अगस्त से इसकी कीमत 6.50 रुपये बढ़ा दी गई है, जिससे दिल्ली में इसका नया भाव 1646 रुपये से बढ़कर 1652.50 रुपये हो गया है। इसके अतिरिक्त ओएमसीएस ने हवाई ईंधन के दामों में भी वृद्धि की है, जिससे हवाई यात्रा महंगी हो सकती है। तेल कंपनियों ने हवाई ईंधन के दामों में 3006.71 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि की है, जो गुरुवार से ही लागू हो जाएगी। तेल कंपनियों ने हवाई ईंधन के दामों में 3006.71 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि की है। हर महीने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव से सीएनजी और पीएनजी की कीमतें भी प्रभावित होती हैं। अब 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलिंडर के लिए ग्राहकों को 6.5 रुपये अधिक चुकाने होंगे। वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर 6.5 रुपए बढ़कर 1652.5 रुपए, कोलकाता में 8.5 रुपए बढ़कर 1764.5, मुंबई में 7.0 रुपए बढ़कर 1605.0 रुपए और चेन्नई में 7.5 रुपए बढ़कर 1817.0 रुपए हो गए हैं। घरेलू सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनियों ने घरेलू एलपीजी

सिलेंडर की कीमत स्थिर रखी है, जिससे दिल्ली में यह सिलेंडर अभी भी 803 रुपये की दर पर उपलब्ध रहेगा। कोलकाता में 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 829 रुपये, मुंबई में 802.50 रुपये और चेन्नई में 818.50 रुपये का मिलेगा।

हीरो फिनकॉर्प ने आईपीओ लाने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की वित्तीय सेवा इकाई हीरो फिनकॉर्प ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 3,668 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल किए गए आईपीओ दस्तावेज के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 2,100 करोड़ रुपये के ताजा और 1,568 करोड़ रुपये बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। ओएफएस में शेयर बेचने वाली कंपनियां एएचवीएफ-2 होल्डिंग्स सिंगापुर-2 पीटीई लिमिटेड, एपिस ग्रोथ -2 (हिबिस्कस) पीटीई. लिमिटेड, लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और ओटर लिमिटेड हैं। निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की पूंजी बढ़ाने के लिए किया जाएगा, ताकि ऋण गतिविधियों के लिए भविष्य की वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। हीरो फिनकॉर्प एक गैर-बैंक वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। यह भारत में मुख्य रूप से खुदरा, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए वित्तीय उत्पादों की एक विविध श्रृंखला पेश करती है।

पिछले महीने धीमी रही भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर

नई दिल्ली ।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार की वजह से जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। वहीं लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है। भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी। कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मारुति सुजुकी इंडिया का मुनाफा 47 फीसदी बढ़ा, राजस्व में भी इजाफा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अप्रैल-जून में ऑटो कंपनी का मुनाफा 46.9 फीसदी बढ़ गया है। इस दौरान कंपनी ने 3,650 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 2,485.1 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही के रिजल्ट की घोषणा के बाद कंपनी के शेयरों में 3.67 फीसदी की तेजी आई है। यह स्टॉक एनएसई पर 13,346.05 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। इस तेजी के साथ कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 4.20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी का अप्रैल-जून का राजस्व 10 फीसदी बढ़कर 35,531 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 32,327 करोड़ रुपये था। 8 ब्रोकरेज कंपनियों के मनीकंट्रोल पोल में अनुमान लगाया गया था कि ऑटो कंपनी का पहली तिमाही का नेट प्रॉफिट 3,235 करोड़ रुपये और राजस्व 34,566 करोड़ रुपये रहेगा। पहली तिमाही में कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन एक साल पहले की तुलना में 350 बेसिस प्वाइंट बढ़कर 12.5 फीसदी हो गया, जिसकी वजह मुख्य रूप से कमोडिटी की कीमतों में नरमी रही। एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि कंपनी ने अप्रैल-जून के दौरान 5.22 लाख वाहन बेचे गए, जो सालाना आधार पर 5 फीसदी ज्यादा है।

सोना 70,000 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 84,900 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव कारोबार में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,000 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 339 रुपये की तेजी के साथ 69,994 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 365 रुपये की तेजी के साथ 70,020 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 173 रुपये की तेजी के साथ 83,769 रुपये पर खुला। इस समय यह 304 रुपये की तेजी के साथ 83,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,493.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,473 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 14.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,487.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.16 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.93 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 28.99 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कई फिनफ्लूएंसर्स सेबी की रडार पर, होगी कार्रवाई

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया में कई लोग या फिनफ्लूएंसर्स शेयर बाजार को लेकर गैर-कानूनी और भ्रामक जानकारी देते हैं। इनकी सलाह मानकर कई लोग बाजार में निवेश करते हैं और ठगे जाते हैं। अब ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल, कई फिनफ्लूएंसर्स मार्केट रेगुलेटर सेबी की रडार पर आ गए हैं। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया पर शेयर बाजार से जुड़ी गलत जानकारी देने वाली 8,890 पोस्ट्स की पहचान की है, जिनमें कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सेबी ने इस बारे में संबंधित प्लेटफॉर्म्स और ऐप्स के बारे में जानकारी दी है। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, यूट्यूब आदि शामिल हैं। बाजार के बारे में झूठे क्लेम के लिए इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले एक साल से सेबी ऐसे भ्रामक या गैरकानूनी सलाह पर लगाम लगाने की कोशिश कर रहा है जो फाइनेंशियल इनफ्लूएंसर्स या

फिनफ्लूएंसर्स की तरफ से दिए जाते हैं। मार्केट रेगुलेटर ने कहा है कि निवेशकों को गारंटीड रिटर्न का वादा किया जाता है। उन्हें भ्रम में डाल रखने के लिए टेक्निकल शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोशल मीडिया और ऐड में भ्रामक सबूत दिए जाते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय में जीत से शुरुआत करना चाहेगी भारतीय टीम

कोलंबो (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में अब भारतीय क्रिकेट शुक्रवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान श्रीलंका का सामना करेगी। इस मैच में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने मेजबान टीम को सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 3-0 से हराया है। जिससे उसके बुलंद हैं। अब एकदिवसीय सीरीज में एक बार फिर रोहित कप्तानी संभालेंगे। रोहित टी20 विश्वकप के बाद ये पहली सीरीज खेलेंगे। उनके अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। रोहित ओर विराट ने टी20 विश्वकप के बाद आराम के लिए ब्रेक ले लिया था।

रोहित और विराट ने यहां पहुंचने के बाद अभ्यास भी किया और अब दोनो का लक्ष्य इस सीरीज में टीम को बड़े अंतर से जीत दिलाना रहेगा। इन दोनो ने ही टी20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप को अलविदा कह दिया था। ऐसे में दोनों टी20 सीरीज के लिए टीम का हिस्सा नहीं थे। इस सीरीज से बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी वापसी कर बेहतर स्कोर बनाना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तानी चरित असलंका के हाथों में ही रहेगी। क्रिकेट श्रीलंका ने असलंका को टी20 के बाद एकदिवसीय सीरीज के लिए भी कप्तान बनाया है।

इस सीरीज से पहले मेजबान श्रीलंकाई टीम को एक करारा झटका लगा है। उसके प्रमुख गेंदबाज मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं। पथिराना के कंधे में चोट है, जबकि मदुशंका

हैमस्ट्रिंग की समस्या से पीड़ित हैं। इसके अलावा, दुष्मंथा चमीरा बीमार हैं जबकि नुवान तुषारा के अंगूठे में फ्रैक्चर है।

टी20 सीरीज में पथिराना ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे में उनकी कमी श्रीलंका को खलेगी।

टीम

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा

श्रीलंका- चरित असलांका (कप्तान), पथुम निसांका। अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, मोहम्मद शिराज।

पेरिस ओलंपिक : निशानेबाज अंजुम और सिफत कौर 3पी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल

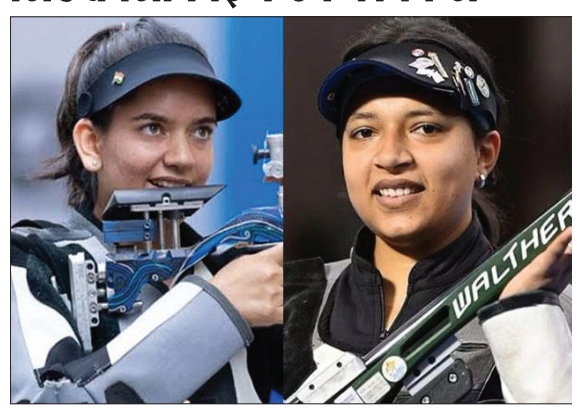

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अंजुम मौदगिल और सिफत कौर सामरा बृहस्पतिवार एक अगस्त को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं।

अंजुम 18वें और सिफत 31वें स्थान पर रहीं। अपने दूसरे ओलंपिक में भाग ले रही अंजुम ने महिलाओं की 3पी स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में 584 अंक हासिल किए जबकि सिफत ने 575 अंक जुटाए।

एशियाई खेलों की मौजूदा चैम्पियन सिफत ने स्टैंडिंग में खराब प्रदर्शन कर 93 और 94 अंक हासिल किये जिससे वह निचले स्थान पर रहीं। नीलिंग चरण में उनका स्कोर 193 रहा और वह प्रोन में 195 अंक से वापसी की कोशिश में थीं लेकिन स्टैंडिंग सीरीज में 187 अंक के खराब प्रदर्शन ने उन्हें नीचे धकेल दिया।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले रोहित शर्मा का बड़ा बयान, कहा- हमारी टीम को आगे बढ़ने...

कोलंबो (एजेंसी)। 2 अगस्त से भारत और श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का आगाज होने जा रहा है। वहीं इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अब टी20 वर्ल्ड कप जीत की खुशी से आगे बढ़ने का समय आ गया है। अब वह नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में चुनौतियों भरी सीरीज में सफलता जारी रखने की उम्मीद लगाए हैं। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में गंभीर के मार्गदर्शन में इस सत्र नयी यात्रा का आगाज हुआ। जिसमें कुछ शीर्ष स्तर के टूर्नामेंट खेले जाने हैं और इसमें अगले साल के शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी भी शामिल है। रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा की मैंने क्रिकेट से दूर अच्छा समय बिताया। वर्ल्ड कप जीतने के बाद घर वापस आना एक शानदार अहसास था जिसमें दिल्ली और मुंबई में अनुभव अद्भुत रहा, लेकिन अब हमें आगे बढ़ना होगा क्योंकि क्रिकेट आगे बढ़ता है। हमने बीते समय में जो कुछ भी प्रदर्शन किया है, वो उस विशेष समय के

लिए अच्छा था। लेकिन समय आगे बढ़ता रहता है और हमें भी आगे बढ़ते रहना चाहिए। 2023 वर्ल्ड कप के बाद भी यही हुआ था। हमें तब बहुत निराशा हुई थी लेकिन हमें आगे बढ़ना था और वर्ल्ड कप का इंतजार करना था। अब टी20 वर्ल्ड कप खत्म हो गया है तो हमें एक टीम के रूप में ये सोचना होगा कि हमारे आगे क्या है। एक बड़ा टूर्नामें आने वाला है।

पेरिस ओलंपिक: लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, हमवतन एचएस प्रणय को हराया

पेरिस (एजेंसी)। लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी।

लक्ष्य की प्रणय के खिलाफ आठ मैच में यह पांचवीं जीत है। क्वार्टर फाइनल में हालांकि लक्ष्य की राह आसान नहीं होगी। गैर वरीय लक्ष्य अंतिम आठ में 12वें वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से भिड़ेंगे जिन्होंने जापान के पांचवें वरीय कोडाई नाराओका को 21-12, 21-16 से हराया।

प्रणय के खिलाफ लक्ष्य शुरुआत से ही शानदार लय में नजर आए। प्रणय मैच के दौरान बिल्कुल भी लय में नहीं दिए और उन्हें प्रत्येक अंक जुटाने के लिए काफी जूझना पड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान कभी भी लक्ष्य को चुनौती पेश करने की स्थिति में नहीं दिखे। लक्ष्य ने शानदार स्मैश लगाए जबकि नेट पर भी शानदार खेल दिखाया। बाइस साल के लक्ष्य ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 7-4 की बढ़त बनाई और फिर ब्रेक तक 11-6 की बड़ी बढ़त हासिल करने में सफल रहे।

विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 32 साल के प्रणय की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर बढ़त को 13-6 तक पहुंचाया। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले लक्ष्य ने लगातार चार अंक के साथ बढ़त को 18-9 किया। लक्ष्य ने 19-12 के स्कोर पर प्रणय के शॉट वापस लौटाने में नाकाम रहने पर आठ गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर विरोधी खिलाड़ी के

अगला शॉट बाहर मारने पर पहला गेम 21 मिनट में 21-12 से जीत लिया।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 6-1 की बढ़त बनाई। प्रणय के पास विरोधी खिलाड़ी के खेल का कोई जवाब नहीं था जिससे लक्ष्य ने ब्रेक तक 11-3 की काफी बड़ी बढ़त बना ली और फिर स्कोर 14-3 किया। लक्ष्य ने बढ़त को 19-5 किया और फिर प्रणय के बाहर शॉट मारने पर 15 मैच प्वाइंट हासिल किए। प्रणय ने एक मैच प्वाइंट बचाया लेकिन फिर अगला शॉट बाहर मारकर गेम और मैच लक्ष्य की झोली में डाल दिया।

पेरिस ओलंपिक : स्वप्निल ने निशानेबाजी में कांस्य जीता

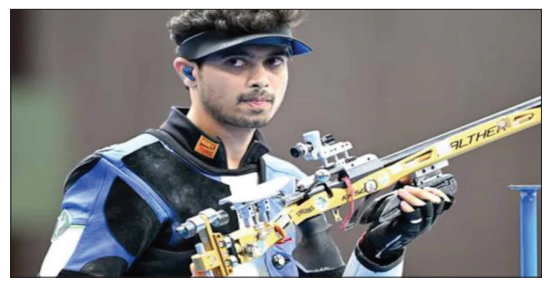

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों का बेहतर प्रदर्शन जारी है। मनु भाकर और सरबजोत सिंह के बाद अब स्वप्निल कुसाले ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीता है। स्वप्निल ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में तीसरा स्थान हासिल कर यह कांस्य जीता। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किये। इस प्रकार भारत को तीसरा पदक मिला है। ये तीनों ही पदक निशानेबाजी में आये हैं। अब स्वप्निल ओलंपिक में पदक जीतने वाले सातवें भारतीय निशानेबाज बन गये हैं। इस बार ओलंपिक में पहला कांस्य पदक मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता। इसके बाद मनु और सरबजोत ने मिश्रित इवेंट में भी कांस्य पदक जीता। वहीं अब स्वप्निल ने तीसरा पदक जीता है। भारत को ओलंपिक में पहला पदक 2004 में राज्यवर्धन राठौड़ ने एथेंस ओलंपिक में जिताया था। इसके बाद बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण जीता था। साल 2012 में बीजिंग ओलंपिक में भारत के दो निशानेबाजों ने पदक जीता था। तब विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था।

गंभीर कोच बनने के बाद पहली बार विराट के साथ नजर आये

कोलंबो । गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम के नए कोच मुख्य कोच बनने के पहली बार अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से उनकी मुलाकात हुई। इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर आई हैं। इसमें ये दोनो ही बातें करते हुए नजर आ रहे हैं। पिछले साल दोनो के बीच आईपीएल में जोरदार बहस हुई थी। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों को लग रहा था कि ये दोनो कैसे मिलते हैं। विराट श्रीलंका दौरे पर एकदिवसीय सीरीज खेलने के लिए यहां पहुंचे थे। विराट ने पहली बार कोच गंभीर के सामने अभ्यास किया। टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की तस्वीरें भी बीसीसीआई ने साझा की है। इसमें दोनों एकसाथ दिख रहे हैं। विराट और गंभीर के बीच मैदान पर अच्छे रिश्ते नहीं रहे थे जिसकी वजह से सभी को दोनों के एक साथ आने का इंतजार था। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले दोनों नेट प्रैक्टिस के दौरान साथ दिखे। बीसीसीआई ने अभ्यास सत्र की जो तस्वीर साझा की है जिसमें दोनों मैदान पर हुई पिछली बातों को भूलकर बिल्कुल आराम से थे। इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान दो बार गंभीर और विराट कोहली के बीच हुआ हुआ था हालांकि अब ये पुरानी बातें हो गयी हैं। दोनो ने एक नई शुरुआत की है। टीम इंडिया ने श्रीलंका दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज में सभी मैच जीतकर की है। अब सबकी नजरें एकदिवसीय सीरीज पर लगी हैं।

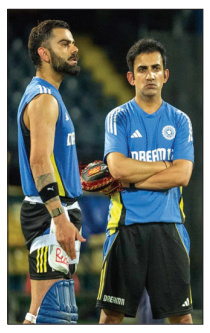

बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजियों की बैठक में शाहरुख और नेस वाडिया में हुई बहस

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल फ्रेंचाइजियों के मालिकों के बीच 2025 सत्र को लेकर हुई एक बैठक में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहमालिक शाहरुख खान और पंजाब किंग्स के मालिक नेस वाडिया आमने-सामाने आ गये। इस बैठक में आईपीएल मेगा ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की रिटेंशन संख्या को लेकर ये बहस शुरु हुई। फ्रेंचाइजियों का मानना था कि वे टीम तैयार करने में काफी मेहनत करते हैं पर हर तीन साल बाद होने वाली मेगा नीलामी के कारण उन्हें नये सिरे से टीम बनानी पड़ती है। इसएलिए मेगा नीलामी का तरीका समाप्त कर देना चाहिये।

एक रिपोर्ट के अनुसार शाहरुख मेगा नीलामी का जमकर विरोध कर रहे थे। इसी दौरान खिलाड़ियों की रिटेंशन की संख्या को लेकर उनकी पंजाब किंग्स के सह-मालिक नेस वाडिया के साथ जमकर बहस हो गयी। शाहरुख संख्या में खिलाड़ियों को रिटने करने की अनुमति दिये जाने के पक्ष में थे जबकि वाडिया इसका विरोध कर रहे थे।

इस दौरान सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक काव्या मारन भी शाहरुख से सहमत दिखी जबकि दिल्ली कैपिटल्स के मालिक पार्थ जिंदल वाडिया के समर्थन में थे। उनका मानना है कि नीलामी जारी रहनी चाहिये।

वहीं बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है, बोर्ड अगस्त के अंत तक अपने फैसले मालिकों को बताएगा काव्या ने शाहरुख का समर्थन करते हुए कहा, टीम बनाने में बहुत समय लगता है और जैसा कि चर्चा की गई है, युवा खिलाड़ियों को परिपक्व होने में भी काफी समय और निवेश लगता है।

बैठक में शामिल होने वाले अन्य मालिकों में दिल्ली कैपिटल्स के किरण कुमार ग्रांधी और पार्थ जिंदल, लखनऊ सुपर जायंट्स के संजीव गोयनका, चेन्नई सुपर किंग्स की रूपा गुरुनाथ, राजस्थान रॉयल्स के मनोज बडाले और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्रथमेश मिश्रा शामिल थे। कुछ मालिक वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए बैठक में शामिल हुए, जिनमें मुंबई इंडियंस के अंबानी

भी शामिल थे।

टी20 में जडेजा का विकल्प हो सकते है रियान

मुम्बई । श्रीलंका दौरे में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले रियान पराग आने वाले समय में रविन्द्र जडेजा के विकल्प के तौर पर उभर सकते हैं। जडेजा ने टी20 विश्वकप में जीत के बाद इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। ऐसे में अब टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर जडेजा की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी रियान को सौंप सकते हैं। रियान एक अच्छे बल्लेबाज होने के साथ ही गेंदबाज भी हैं और ये उन्होंने श्रीलंका दौरे में साबित किया है। रियान बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। पराग ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में सिर्फ 5 रन देकर 3 विकेट लिए और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे टी20 में भी पूरे 4 ओवर डाले। हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिली। लेकिन इससे यह पता चलता है कि पराग ठीक-ठाक गेंदबाजी कर सकते हैं। वह पूरे 4 ओवर भी टी20 में फेंक सकते हैं। पराग एक बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी ये देखा है। उन्हें गेंदबाजी में हालांकि निखारे जाने की जरुरत है। रियान ने आईपीएल में अब तक खेले गए 70 मुकाबलों में 1173 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने 6 अर्धशतक लगाये हैं। उनके नाम आईपीएल में 4 विकेट भी हैं। आईपीएल 2024 में उन्होंने अपने प्रदर्शन से भी का ध्यान खींचा था।

इस साल का अपना पहला एकदिवसीय खेलेंगे विराट

कोलंबो (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली टी20 विश्वकप क्रिकेट के बाद पहली बार मैदान में उतरेंगे। विश्वकप के बाद विराट ने खेल से ब्रेक ले लिया था। वह इस सीरीज से भी बाहर रहने वाले थे पर नये मुख्य कोच गौतम गंभीर की अपील पर खेलने को तैयार हो गये।

विराट ने श्रीलंका पहुंचने के बाद अभ्यास भी किया है। श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज में कोहली को खेलना है। ये पिछले साल नवंबर में हुए विश्व कप फाइनल के बाद उनका पहला एकदिवसीय मैच होगा। ये सीरीज चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भी अहम मानी जा रही है। विराट चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया के अहम सदस्य होंगे। ऐसे में इस सीरीज में उनका प्रयास अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय प्रारुप में कोहली का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उन्होंने साल 2008 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू भी श्रीलंका के खिलाफ ही किया था। श्रीलंका के खिलाफ विराट कोहली के आंकड़े की बात करें तो उन्होंने 25 एकदिवसीय में 2595 रन बनाए हैं जिसमें 10 शतक भी शामिल हैं। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में तो उनका रिकॉर्ड और भी बेहतर है। उन्होंने यहां 11 एकदिवसीय में 644 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल है। पिछली बार विराट ने इस मैदान पर नाबाद 122 रन बनाए थे और भारत ने उस मैच में 228 रनों से जीता था।

उत्तर प्रदेश टी-20 क्रिकेट लीग 20 अगस्त से

लखनऊ । 20 अगस्त से उत्तर प्रदेश टी-20 क्रिकेट लीग शुरु होगी। इसमें छह टीमें गोरखपुर लायंस, कानपुर सुपर स्टार्स, काशी रुद्रास, लखनऊ फाल्कन्स, मेरठ मेवरिक्स और नोएडा सुपर किंग्स भाग लेगी। इसके लिए हुई नीलामी में 150 से अधिक खिलाड़ियों पर बोली लगी। इसमें विकेटीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरैल ने गोरखपुर लायंस के लिए टीम चुनी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ध्रुव ने इस टीम के लिए अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को चुना। वहीं विकास सिकरवार, अर्जुन भारद्वाज और दीपक राजपूत को बोली में तीनों खिलाड़ियों को कोई खरीदार नहीं मिला आगरा के विकास, अर्जुन और दीपक का नाम इस बोली की सूची में शामिल रहा पर तीनों होनहार खिलाड़ियों को कोई खरीदार नहीं मिला। ऐसे में ध्रुव ने इन्हें अपनी टीम में अवसर दिया। पिछले साल गोरखपुर लायंस ने ध्रुव को खरीदा था। इस बार ध्रुव अपनी मनपसंद टीम चुनने के लिए बोली में मौजूद रहे। ध्रुव फिलहाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस लीग में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

पेरिस ओलंपिक: सात्विक-चिराग की जोड़ी हार के साथ पुरुष युगल से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस - एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक की प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी बृहस्पतिवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन और दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी को 64 मिनट चले मुकाबले में दुनिया की सातवें नंबर की चिया और सोह जोड़ी के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से हार मिली। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चिया और सोह के खिलाफ 12 मैच में यह भारतीय जोड़ी की नौवीं हार है। भारतीय जोड़ी ने शुरुआत में ही कुछ सहज गलतियां की जिसका फायदा उठाकर चिया और सोह ने कुछ आसान अंक जुटाए।

सात्विक और चिराग हालांकि इसके बावजूद नेट पर अच्छा खेल दिखाते हुए 6-4 की बढ़त बनाने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ियों के स्मैश भी स्टीक थे जिससे मलेशिया की जोड़ी को काफी परेशानी हुई। भारतीय जोड़ी अच्छा खेल दिखाने के साथ बार-बार गलतियां भी कर रही थी जिससे चिया और सोह को वापसी का मौका मिलता रहा। सात्विक और चिराग ने हालांकि ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी रंग में नजर आई।

सात्विक और चिराग ने लगातार पांच अंक के साथ 15-10 की मजबूत बढ़त बनाई। चिया और सोह ने दबाव में कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जिससे सात्विक और चिराग 17-11 से आगे हो गए। चिराग के स्मैश को 19-12 के स्कोर पर मलेशिया की जोड़ी वापस लौटने में नाकाम रही जिससे भारतीय जोड़ी को आठ गेम प्वाइंट मिले। चिया और सोह ने एक गेम प्वाइंट बचाया लेकिन सात्विक के दमदार स्मैश से भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 17 मिन में जीत लिया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने बेहतर शुरुआत की। सात्विक और चिराग ने दमदार खेल दिखाकर 4-0 की बढ़त बनाई। मलेशिया की जोड़ी ने हालांकि जोरदार वापसी करते हुए लगातार पांच अंक के साथ 5-4 की बढ़त बना ली। दोनों जोड़ियों के बीच प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली जिससे 5-5 से 10-10 तक प्रत्येक अंक पर स्कोर बराबर हुआ।

मलेशिया की जोड़ी ब्रेक तक 11-10 से आगे रही। चिया और सोह ने लगातार तीन अंक के साथ 16-12 की बढ़त बनाई। सात्विक और चिराग ने इसके बाद कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे मलेशिया की जोड़ी ने दूसरा गेम 21-14 से जीतकर मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में खींचा। मलेशिया की जोड़ी ने दूसरे गेम में अंतिम 15 में से 11 अंक जीते। तीसरे गेम की शुरुआत में सात्विक और चिराग

का खेल बिखरा हुआ नजर आया जिससे मलेशिया की जोड़ी ने 5-2 की बढ़त बनाई।

सात्विक और चिराग हालांकि जल्द ही संभल गए और स्कोर 5-5 कर दिया और फिर ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बनाने में सफल रही। भारतीय जोड़ी ने बढ़त को 14-11 किया लेकिन चिया और सोह ने इसके बाद जोरदार वापसी करते हुए 15-15 पर बराबरी हासिल की। मलेशिया की जोड़ी ने 16-16 के स्कोर पर लगातार पांच अंक के साथ गेम और मैच अपने नाम किया और पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने वाली भारतीय जोड़ी का पदक जीतने का सपना तोड़ दिया।

पेरिस ओलंपिक : बढ़त बनाने के बाद बेल्जियम से हारी भारतीय हॉकी टीम

पेरिस - हाफटाइम तक एक गोल से बढत बनाने के बावजूद भारत को पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी स्पर्धा में मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम ने बृहस्पतिवार एक अगस्त को पूल बी के मैच में 2-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार थी जिसने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2-0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था। क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम के लिए अभिषेक ने 18वें मिनट में पहला गोल किया और भारत ने हाफटाइम तक बढत बरकरार रखी। बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल करके बढ़त बनाई जो आखिर तक कायम रही। बेल्जियम के लिए थिबू स्टॉकब्रोक्स ने 33वें और जॉन जॉन डोमैन ने 44वें मिनट में गोल किया। भारत को अब अगला मैच शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया से खेलना है जिसे बेल्जियम ने 6-2 से हराया था। पिछले मैचों की तरह भारत को इस बार भी 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस बार कप्तान हरमनप्रीत सिंह का शॉट बेल्जियम के गोलकीपर विंसेंट वानाश ने बेहद खूबसूरती से बचाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

किडनी की बीमारी में आपका शरीर आपको देता है ये संकेत

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जरूरत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

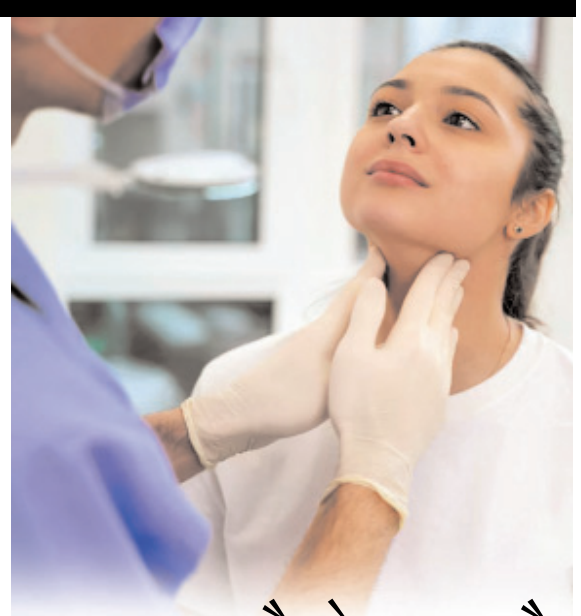

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है हो सकता है इस बीमारी का संकेत

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है। क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है,लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को श्वतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

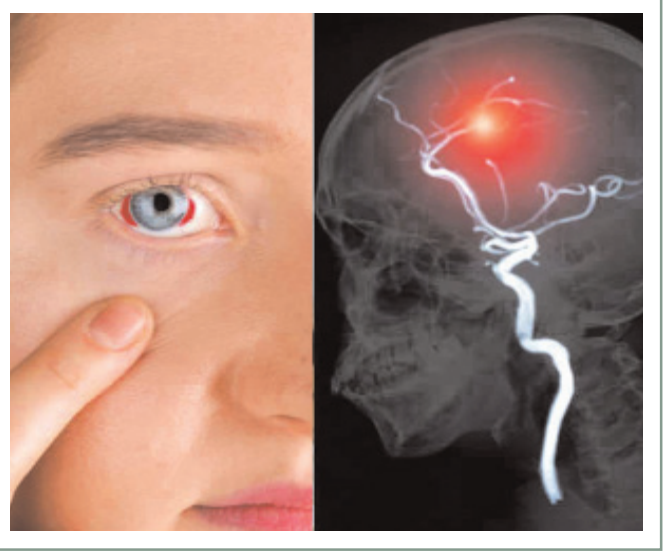

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजराइली हमले में हमास का मिलिट्री चीफ मारा गया

तेलअवीव । इजराइली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसके हमले में हमास का मिलिट्री चीफ मोहम्मद दाइफ मारा जा चुका है। सेना ने बताया कि गाजा के खान यूनिस में 13 जुलाई को फाइटर जेट से किए हमले में दाइफ मारा गया था। मोहम्मद दाइफ की मौत की खबर काफी समय से चर्चा में थी लेकिन इसकी पुष्टि गुरुवार हो हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमास के 3 बड़े लीडर थे, जिन्होंने इजराइल पर हमले में बड़ी भूमिका निभाई थी। इजराइल इससे पहले 7 बार दाइफ को मारने की कोशिश कर चुका था। हालांकि इजराइल को सफलता नहीं मिली थी। मोहम्मद दाइफ और इस्माइल हानियेह की मौत के बाद अब हमास में याह्या सिनवार ही सबसे बड़ा नेता बच गया है। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने दाइफ की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि यह गाजा से आतंक को मिटाने के टारगेट में एक बड़ा कदम साबित हुआ है।

चुनाव नतीजे का ऑडिट- प्रमाणीकरण के लिए कोर्ट पहुंचे राष्ट्रपति मादुरो

कराकास। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजे का ऑडिट करने और उन्हें प्रमाणित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के इलेक्टोरल चैंबर में अपील दायर की है। मादुरो ने अपनी याचिका में वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह संबंधित संस्थानों को बुलाए, ताकि सभी साक्ष्यों की तुलना की जा सके और उच्चतम तकनीकी स्तर के विशेषज्ञ की राय लेकर 28 जुलाई के चुनावी नतीजे को प्रमाणित किया जा सके। वह देश की प्रथम महिला सिलिया फ्लोरेस, उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज, अटॉर्नी जनरल रेनाल्डो मुनोज और विदेश मामलों के मंत्री इवान गिल के साथ अपने मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

12 बच्चों की मौत का कातिल फउद शुकर मारा गया.....इजरायल की कसम हुई पूरी

बेरूत। इजरायली एयरफोर्स ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर बमबारी की, इसमें हिजबुल्लाह का शीर्ष सैन्य कमांडर फउद शुकर मारा गया। इजरायल ने अपने कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर रॉकेट हमले के लिए फउद शुकर को ही जिम्मेदार ठहराया था। इजरायली सेना ने कहा, हमारे लड़ाकू विमानों ने बेरूत में आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर और इसकी रणनीतिक इकाई के प्रमुख फउद शुकर को मार गिराया। इजरायली सेना प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा, हिजबुल्लाह कमांडर शुकर मजदल शम्स नरसंहार के लिए जिम्मेदार था। बता दें कि 27 जुलाई की शाम को एक फुटबॉल मैदान को हिजबुल्लाह ने ईरानी फलक-1 रॉकेट से निशाना बनाया था। इस रॉकेट हमले में मैदान में खुल रहे 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इस हमले के बाद ही इजरायल ने बदला लेने की कसम खाई थी और हिजबुल्लाह को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। शुकर हिज्बुल्लाह के सेक्रेटरी जनरल हसन नसरल्लाह का राइट हैंड हाथ था। वह हमलों और ऑपरेशन की योजना बनाने और निर्देशित करने में नसरल्लाह का सलाहकार था। हगारी ने कहा कि शुकर एक आतंकवादी था जिसके हाथ इजरायलियों और कई अन्य मासूमों के खून से सने थे। आतंकवादी गतिविधियों में उसकी व्यापक भागीदारी के कारण, शुकर को 10 सितंबर, 2019 से अमेरिकी विदेश विभाग ने ग्लोबर टेररिस्ट घोषित कर रखा था। शुकर लगभग 30 वर्षों से हिजबुल्लाह का सदस्य था, वह इसकी सैन्य शाखा का प्रमुख था और संगठन में नंबर 2 माना जाता था। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फउद शुकर की मौत पर प्रतिक्रिया देकर इजरायल का समर्थन किया।

ब्रिटेन में भड़का दंगा...दो मासूम बच्चों की गला रेतकर हत्या, मस्जिद पर किया गया पत्थराव

लंदन । ब्रिटेन के साउथपोर्ट में योग क्लास के दौरान चाकू से एक हमलावर ने अटैक कर दिया था। हमलावार ने दो मासूम बच्चों को गला रेतकर मार डाला था। यही नहीं इस घटना में जख्मी एक और बच्ची ने भी दम तोड़ दिया था। वहीं इस घटना को लेकर ब्रिटेन में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। साउथपोर्ट में दंगा छिड़ा हुआ है। इसमें अब तक 53 पुलिस वाले जख्मी हो चुके हैं। दंगा उसी इलाके में भड़का, जहां पर 13 लोगों पर चाकू से हमला हुआ था। यह दंगा रात पौने 8 बजे से शुरू हुआ, जब एक स्जिद के बाहर भीड़ जुटी। इंग्लिश डिफेंस लीग संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मस्जिद पर पत्थराव किया और फिर देखते ही देखते हालात बिगड़ गए। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस पर बोतलों और ईंटों से हमला किया गया, जिसमें कई लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। यही नहीं कई उपद्रवियों ने पुलिस की वैन में भी आग लगा दी। आमतौर पर ब्रिटेन में ऐसी घटनाएं नहीं होती थीं, लेकिन पिछले दिनों लीड्स में भड़की हिंसा और अब साउथपोर्ट के हालात ने प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस बीच साउथपोर्ट मस्जिद के चेयरमैन इब्राहिम हुसैन ने कहा कि यह हिंसा परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा लगा था कि ये लोग अंदर तक चले आएंगे और मस्जिद को ही आग के हवाले कर सकते हैं। उन्होंने पुलिस से भी अपील की कि वह कह दे कि चाकूबाजी की घटना को अंजाम देने वाला मुस्लिम नहीं था। इससे भड़के लोग थोड़ा शांत हो जाएंगे और मुस्लिमों को टारगेट नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन पुलिस ने अब तक कानूनी कारणों से संदिग्ध की पहचान को उजागर नहीं किया है। कहा जा रहा है कि आरोपी कार्डिफ में पैदा हुआ था और उसके माता-पिता रवांडा मूल के हैं। पुलिस का मानना है कि आरोपी के बारे में ऑनलाइन ही गलत जानकारी शेयर हुई और उससे ही भड़के लोगों ने दंगे को अंजाम दे दिया।

डबल शिफ्ट से परेशान एक्ट्रेस अमीना ने छोड़ी थी इंडस्ट्री, अब कर रहीं वापसी

करांची। फिल्मी अभिनेत्री अमीना शेख जो पाकिस्तानी इंडस्ट्री का जाना माना नाम व खूबसूरत चेहरा है। वह अपनी एक्टिंग और टैलेंट से लोगों के दिलों पर राज करती हैं। अमीना की एक्टिंग की तारीफ अक्सर फैंस करते हैं। साथ ही आर्ट और कल्चर को प्रमोट करने की उनकी कमिटमेंट पर भी लोग फिदा हैं। अब एक्ट्रेस अमीना ने अपने करियर को होल्ड पर रखने और बच्चों को लेकर एक साक्षात्कार में खुलासा किया है। अमीना शेख ने कहा कि वह शूट करती और फिर बीच में अपनी बेटी को नर्स करती थी, फिर वापस जाकर दोबारा शूटिंग करती। बच्चे को दूध पिलाने अपने शरीर के साथ बहुत बड़ी कमिटमेंट है। तो उन्हें सीन्स के बीच फीडिंग करने पर अपने लिए कोई ब्रेक ही नहीं हो पा रहा था। उन्होंने कहा कि वह डबल शिफ्ट में काम कर रही थी। उन्होंने आगे कहा कि उसका स्कूल और रूटीन प्राथमिकता बन गई। उन्हें जिंदगी में कुछ और चैलेंज का सामना भी करना पड़ रहा है, जिसके चलते उन्हें अपना करियर साइड में रखना पड़ा और अपने और अपने बच्चों के लिए आगे के रास्ते को सोच-समझकर चुनना पड़ा। इसलिए वह दुबई शिफ्ट हो गई हैं।

तुर्की में हमास नेता इस्माइल हानिया की इजरायली हमले में हुई मौत पर बैनर लेकर विरोध जताते हुए लोग।

हानिया की मौत पर तुर्की ने इजराइल को खरी-खोटी सुनाई

अंकारा । बुधवार सुबह तेहरान स्थित ठिकाने पर हमास मुखिया इस्माइल हानिया की हत्या की कर दी गई। हमास ने हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार बताया है। अब तुर्की ने हमास प्रमुख की हत्या की कड़ी निंदा कर कहा है कि इजरायल के हमले का मकसद गाजा में चल रहे युद्ध को क्षेत्रीय स्तर पर बढ़ाना है। हानिया को शहीद करार देकर तुर्की ने कहा है कि अपनी मातृभूमि में शांति से रहने के लिए शहीद हुए लोगों के प्रति हम संवेदना जाहिर करते है। हानिया की हत्या पर तुर्की के विदेश मंत्रालय ने कहा, कि तेहरान में एक जघन्य हमले में हमास के राजनैतिक ब्यूरो के प्रमुख हानिया की हत्या की हम निंदा करते हैं। हम फिलिस्तीनी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। जिसमें से हानिया की तरह ही हजारों लोगों ने देश के लिए मातृभूमि पर शांतिपूर्ण तरीके से रहने के लिए अपनी जान गंवा दी, शहीद हुए। बयान में इजरायल की बेंजामिन नेतन्याहू सरकार पर निशाना साधकर कहा गया कि घटना से नेतन्याहू सरकार की शांति हासिल करने की अनिच्छा फिर उजागर हुई है। तुर्की की ओर से कहा गया, हमले का मकसद गाजा में युद्ध को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाना है। यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इजरायल को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं करता है, फिर हमारे क्षेत्र को और भी बड़े संघर्ष का सामना करना पड़ेगा।

दुश्मनों को इजरायल की धमकी: कहा- हमें नुकसान पहुंचाया तो गर्दन उतार लेंगे

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास चीफ हानिया की मौत के बाद मुस्लिम देशों से मिली धमकी के बाद इजरायल ने साफ कह दिया कि हमे नुकसान पहुंचाया तो हम गर्दने उतारने में देर नहीं करेंगे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला नेता फुआद शुक्र की मौत का भी जिक्र किया और कहा कि हमें नुकसान पहुंचाने वालों से हम बदला लेंगे। दक्षिण बेरूत में शुक्र की मौत हो गई थी। वहीं, ईरान की राजधानी तेहरान में हुए हवाई हमले में हमास के शीर्ष कमांडर इस्माइल हनियेह भी मारा गया। इसके आरोप इजरायल पर लगाए जा रहे हैं। नेतन्याहू का कहना है कि इजरायल किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इजरायल के नागरिकों, आने वाले दिन चुनौती भरे हैं। बेरूत में स्ट्राइक के बाद हर दिशा से धमकियां आ रही हैं। हम किसी भी

हालात के लिए तैयार हैं और हम किसी भी धमकी के सामने एकजुट खड़े हैं। किसी भी क्षेत्र से हमारे खिलाफ आक्रमण हुआ, तो इजरायल उससे भारी कीमत वसूल करेगा।

उन्होंने कहा, हमने नसरल्लाह के करीबी (हिजबुल्ला प्रमुख हसन) को मार दिया है, जो बच्चों के नरसंहार के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार था। एक स्ट्राइक में 12 बच्चों की मौत हो गई थी, जिसके आरोप हिजबुल्ला पर लगाए गए थे। इजरायल के पीएम ने कहा, हमने मोहसिन से हमारा बदला ले लिया है और जो भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, उससे हम बदला लेंगे। जो भी हमारे बच्चों को मारेगा, जो भी हमारे नागरिकों को मारे, जो भी हमारे देश को नुकसान पहुंचाएगा। उसकी कीमत उसका सर होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध रोकने के दबाव को लेकर नेतन्याहू ने कहा, अगर हमने उन आवाजों को सुना होता, तो हम हमास के नेताओं और हजारों आतंकवादियों को खत्म नहीं कर पाते। हम आतंकियों को इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म नहीं कर पाते...। हम ऐसे हालात तैयार नहीं कर पाते, जिनकी वजह से हम ऐसे समझौते के करीब आ गए हैं जो हमारे सभी कैदियों की रिहाई और युद्ध के उद्देश्यों को पूरा करता है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने हनियेह की मौत का जिक्र नहीं किया। बुधवार को ही हमास और ईरान के रिवॉल्युशनरी गार्ड्स ने हनियेह की मौत की घोषणा की थी।

हानिया के जनाजे में उमड़ी भीड़... दोहा ले जाया जाएगा शव

-पीएम नेतन्याहू ने कहा हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार

तेहरान (एजेंसी)। हमास चीफ हानिया की तेहरान में एयरस्ट्राइक में हुई मौत के बाद ईरान और इजराइल में जंग का खतरा बढ़ गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई ने कहा कि हानिया की मौत का बदला लिया जाएगा और इजराइल पर सीधा हमला होगा।

वहीं पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल के लिए आने वाले दिन मुश्किल हो सकते हैं, लेकिन हम हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ कतर में हानियेह को सुपुर्द-ए-खाक करने से पहले गुरुवार को तेहरान में अंतिम विदाई दी गई। इसमें हजारों लोग शामिल हुए।

तेहरान यूनिवर्सिटी में हानिया के शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। इसके बाद तेहरान के फ्रीडम स्कवायर तक उसके शव के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई। खामेनेई ने इसका नेतृत्व किया। ईरान में आम तौर पर सबसे वरिष्ठ कमांडर और अधिकारियों के लिए इस तरह की शव यात्रा का आयोजन होता है। हानिया के शव को गुरुवार को दोहा ले जाया जाएगा, जहां शुक्रवार को दफनाया जाएगा।

वहीं एक मीडिया हाऊस ने दावा किया है कि हानिया की हत्या में उनके बॉडीगार्ड्स का हाथ हो सकता है। इसके पहले भी बताया गया था कि हानिया उत्तरी तेहरान में ईरान-इराक युद्ध के रिटायर्ड सैनिकों के लिए बनी एक इमारत में अपने बॉडीगार्ड्स के साथ ठहरा था।

एआई की मदद से मोसाद के शूटर ने किया हानिया का काम तमाम, सैटेलाइट इमेज की भी मदद ली गई

तेहरान । हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद से इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के चर्चे पूरी दुनिया में हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि हानिया को तेहरान में उसके आवास पर हवाई हमले में मार गिराने के लिए मोसाद के स्नाइपर की मदद ली गई थी। कयास लग रहे हैं कि तेहरान से 1500 किलोमीटर दूर इजरायल ने किसी अनजान ठिकाने से मोसाद के शूटर ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद से हानिया की हत्या को अंजाम दिया। उस दौरान सैटेलाइट इमेज की भी मदद ली गई थी। इस हमले में इजरायल के दुश्मन नंबर वन रहे हानिया के साथ उसका बॉडीगार्ड भी मारा गया। यह तरीका ठीक उसी तरह है, जैसे 2020 में ईरान के एक न्यूक्लियर वैज्ञानिक की हत्या हुई थी।

यूक्रेन को रूस के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए मिला पहला एफ-16 लड़ाकू विमान: अमेरिकी अधिकारी

लंदन (एजेंसी)। यूक्रेन को पहला एफ-16 लड़ाकू विमान मिल गया है, जिसकी मांग वह रूसी मिसाइल हमलों से निपटने के लिए कई महीनों से कर रहा था। एक अमेरिकी अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में इसकी पुष्टि की। यूक्रेन कई महीनों से अपने पश्चिमी सहयोगियों से एफ-16 लड़ाकू विमान मुहैया कराने की मांग कर रहा है। उसका कहना है कि रूस द्वारा उसके खिलाफ दागी जा रही मिसाइलों से निपटने के लिए एफ-16 लड़ाकू विमान की बहुत जरूरत है क्योंकि यह दुश्मन के हवाई हमले को नाकाम करने में सक्षम है।

पश्चिमी देशों ने पहले आशंका जताई थी कि उन्नत हथियारों की आपूर्ति करने से युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा और साथ ही लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने में हिचकिचाहट दिखाई थी। अमेरिका यूक्रेन के पायलटों को इन लड़ाकू विमानों को उड़ाने का प्रशिक्षण भी दे रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं

हुआ है कि पहले चरण में यूक्रेन को कितने लड़ाकू विमान उपलब्ध कराए गए या किन देशों ने उन्हें उपलब्ध कराया। यूक्रेन की सरकार ने भी लड़ाकू विमान मिलने की पुष्टि नहीं की है। नाटो सदस्य बेल्जियम, डेनमार्क, नीदरलैंड और नॉर्वे ने यूक्रेन को 60 से ज्यादा विमान देने की प्रतिबद्धता जताई है।

हालांकि, रूस के हवाई बेड़े के मुकाबले यह संख्या बहुत कम है। यूक्रेन के एक अधिकारी के मुताबिक रूस के हवाई हमलों को नाकाम करने के लिए उसे कम से कम 130 एफ-16 लड़ाकू विमानों की जरूरत है।

कमला हैरिस पर डोनाल्ड ट्रंप के नस्लीय कमेंट पर घमासान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति चुनाव में मुकाबला डोनाल्ड ट्रंप बनाम कमला हैरिस का होता जा रहा है। बुधवार को नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ ब्लैक जर्नलिस्ट्स के वार्षिक सम्मेलन में ट्रंप ने कमला हैरिस की नस्लीय पहचान पर सवाल उठाया। इसके लिए दर्शकों ने उनका मजाक उड़ाया। लगभग 1000 लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, कमला हैरिस हमेशा से भारतीय मूल की थीं और वह केवल भारतीय मूल को बढ़ावा दे रही थीं। बता दें कि कमला हैरिस ने अश्वेत और दक्षिण एशियाई अमेरिकी दोनों के रूप में अपनी पहचान बनाई है। वह पहली अश्वेत और एशियाई अमेरिकी अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने अभी जो कहा वह घृणित है। यह

अपमानजनक है।

ट्रंप ने कहा मुझे नहीं पता कि वह भारतीय हैं या अश्वेत? लेकिन आप जानते हैं कि मैं दोनों का सम्मान करता हूं। लेकिन वह स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं करती हैं। वह शुरू से ही भारतीय थीं। अचानक उन्होंने एक मोड़ लिया और वह एक अश्वेत व्यक्ति बन गईं। उनक इस बयान का खूब विरोध हुआ है। पैनल साक्षात्कार के दौरान पूछा कि नस्लीय रूप से आक्रामक टिप्पणियों के साथ उनके विवादास्पद इतिहास के बावजूद अश्वेत मतदाताओं को उनका समर्थन क्यों करना चाहिए। ट्रंप ने इस सवाल पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भयानक, शत्रुतापूर्ण और अपमानजनक कहा। साथ ही नकली नेटवर्क करार दिया। ट्रंप ने कहा, मैं अब्राहम लिंकन के बाद से अश्वेत आबादी के लिए सबसे अच्छा राष्ट्रपति रहा हूं। ट्रंप की टीम ने चुनावी अभियान शुरू करते हुए विज्ञापन निकालकर कमला हैरिस को देश के लिए खतरनाक उदारवादी नेता बताया है। ट्रंप की टीम की ओर से आरोप लगाया गया है कि कमला हैरिस खतरनाक रूप से उदार हैं और यह देश के लिए बिल्कुल सही नहीं है। विज्ञापन में अप्रवासियों को लेकर कमला हैरिस पर आरोप लगाया गया है कि हैरिस अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर अवैध अप्रवासियों के आक्रमण को रोकने में विफल रहीं।

इजराइल से सीधी जंग में ईरान का साथ देने को तैयार सारे विरोधी

-चारों ओर से विरोधियों से घिरा इजराइल दे रहा चुनौती

तेहरान (एजेंसी)। हमास चीफ इस्माइल हानिया ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने तेहरान पहुंचे थे। इसके अगले ही दिन हानिया को हवाई हमले में मार गिराया गया। हानिया की मौत से ईरान तिलमिलाया हुआ है। सुप्रीम लीडर खामेनेई ने ईरानी सेना को इजरायल पर सीधे हमले का आदेश भी दे दिया है। लेकिन इजरायल पर हमले में ईरान अकेला नहीं होगा। उसके सहयोगी देश इस जंग में उसका साथ दे सकते हैं।

ईरान के पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में से एक इस्लामिक गार्ड कॉर्प्स है। इसके अलावा ईरान को फिलिस्तीन में हमास, लेबनान में हिज्बुल्लाह और यमन में हूती का समर्थन है। इजरायल पर ईरान के हमले में तेहरान के कई सहयोगी देश उसका साथ दे सकते हैं।

इजरायल की सीमा मिस्र, जॉर्डन, सीरिया, लेबनान, वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी से लगती है। इसमें से मिस्र और जॉर्डन को छोड़कर इजरायल कई ईरान समर्थित देशों से घिरा है। मध्यपूर्व में इसतरह के कई हथियारबंद ग्रुप हैं, जिनका ईरान से करीबी संबंध है। इसमें गाजा पट्टी में हमास, लेबनान में हिज़्बुल्लाह और यमन में हूती विद्रोही हैं। कई देशों में ईरान के सैन्यअड्डे भी हैं। कहा जा रहा है कि इजरायल पर ईरान के हमले में ये देश भी शामिल हो सकते हैं।

इजरायल के खिलाफ ईरान के इस ऐलान-ए-जंग में सबसे पहाल नाम लेबनान का है। लेबनानी ग्रुप हिज्बुल्लाह की फंडिंग ईरान करता है और ईरान ही इस ग्रुप के सदस्यों को प्रशिक्षित भी करता है। अक्तूबर 2023 में इजरायल पर हमास के हमले के बाद से हिज्बुल्लाह लगातार उसके पाले में खड़ा है। ईरान और उसका साथी हिज्बुल्लाह हमास के आतंकियों को प्रशिक्षिण भी देता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इजरायल के खिलाफ जंग में लेबनान पीछे हटने वाला नहीं है।

यमन में सक्रिय हुती विद्रोहियों को भी ईरान का कट्टर समर्थक माना जाता है। हुती विद्रोही लाल सागर में सक्रिय हैं। यमन में ईरान के लड़ाकों की आवाजाही किसी से छिपी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, यमन में ईरानी लड़ाकों के अड्डे भी हैं, जहां से जरूरत पड़ने पर तेहरान इजरायल पर हमला कर सकता है। सीरिया में ईरान की सीधी मौजूदगी है। कई शिया समूहों में ईरान का अच्छा-खासा प्रभाव है। बीते अप्रैल महीने में दमिश्क में ईरान के दूतावास पर हमले के बाद ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला किया था।

वहीं, इजरायली सेना की ओर से भी जवाब आया है। इजरायली एयरफोर्स ने कहा कि एयर फोर्स युद्ध के हर क्षेत्र में देश की रक्षा और हमला करता है। हम किसी भी परिस्थिति में मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं।

नई संसद भवन की छत से टपक रहा पानी.....कांग्रेस का प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने गुरुवार को लोकसभा में नए संसद भवन की छत टपकने का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत यात्रा पर आए और उस समय सदन के विशेष बॉक्स में बैठे हुए जापानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने अपने द्वारा दिए गए स्थगन प्रस्ताव का हवाला देकर इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की।

अध्यक्ष बिरला ने कांग्रेस नेता टैगोर की मांग को खारिज करते हुए कहा कि वे सभी सांसदों को आगाह करते हैं और भविष्य के लिए भी यह बताते हैं कि नियम और प्रक्रियाओं के तहत भी और कई बार बुलेटिन जारी कर भी यह बताया जाता है कि स्पीकर के अधिकार क्षेत्र से जुड़े मसले पर नोटिस नहीं लिया जाता। उन्होंने सांसदों से इसका भविष्य में ध्यान रखने को भी कहा।

इसके पहले नई संसद की भी तस्वीरें सामने आई, जहां जलभराव के हालात नजर आए। इस दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसमें नई संसद के अंदर पानी टपकता दिखाई दिया। इस मुद्दे पर सियासत शुरु हो गई है। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने कहा कि बाहर पेपर लीकेज, संसद में वाटर लीकेज। राष्ट्रपति की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली संसद की लॉबी में पानी का लीकेज चौंकाने वाला है। संसद के नए भवन में ऐसा होना मौसम संबंधी समस्याओं को दिखाता है। ये पूरा घटनाक्रम इसका निर्माण पूरा होने के महज एक साल बाद ही सामने आई है। कांग्रेस सांसद ने गंभीर मुद्दा बताकर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने भी नई संसद की छत से पानी टपकने पर सवाल उठाए। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर लिखा, इस नई संसद से अच्छी पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है। जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनाई गई डिजाइन का हिस्सा होता है या फिरज। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इसके निर्माण कार्य को लेकर सवाल खड़े किए। एक यूजर ने लिखा कि आपको पता है नई वाली संसद 1,200 करोड़ में बनी है।

गुरुग्राम में बारिश के पानी में फैला करंट, तीन की मौत

- 100 करोड़ के फ्लैट में घुसा पानी, यहां रहते हैं नेता और आईएएस अधिकारी

गुरुग्राम। गुरुग्राम में बीती रात से लगातार भारी बारिश हो रही है। हरियाणा के गुरुग्राम में बिजली विभाग की लापरवाही के चलते एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में तीन लोगों की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक गुरुग्राम से अपने घर लौट रहे थे और इस दौरान फुटपाथ किनारे स्ट्रीट लाइट की लाइन खुली पड़ी थी और यह हादसे का कारण बन गई। तार खुले होने से बारिश के बाद सड़क किनारे भरे पानी में करंट फैल गया और तीनों की जान चली गई। मृतकों की पहचान दिवेश जयपाल और वीजा, उजमा के तौर पर हुई है। परिजनों का आरोप है कि जिस तरह से सड़क के किनारे तार खुले पड़े थे यह बिजली विभाग की लापरवाही है जिस कारण यह हादसा हुआ है। गुरुग्राम को मिलेनियम सिटी भी कहा जाता है लेकिन बारिश के बाद यहां सड़कें तालाब बन जाती हैं। शहर में पिछले साल ही एक फ्लैट 100 करोड़ रुपए में बिका था, लेकिन इस बारिश में उस फ्लैट में रहने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि देर रात हुई बारिश में गोल्फ कोर्स रोड पर गोल्फ लिंक्स में पानी भर गया। गोल्फ लिंक्स शहर का सबसे वीआईपी क्षेत्र है। यहां प्रदेश और देश के बड़े नेताओं, आईएएस अधिकारियों के अलावा बड़े बिल्डरों के घर हैं। इस इलाके के साथ सुशांत लोक, ओल्ड दिल्ली रोड, दिल्ली गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे और डीएलएफ फेस एक के साथ साथ पुराने गुरुग्राम में भी पानी भर गया। यही वजह रही कि गुरुवार को कई स्कूलों ने छुट्टी घोषित कर दी और ऑनलाइन क्लास के आदेश जारी कर दिए हैं। रात को लोगों को एक किलोमीटर का सफर तय करने में तीन से चार घंटे लग गए। एक तरह से लोग गाड़ियों में कैद हो गए थे। सोशल मीडिया पर सरकार ओर प्रशासन के खिलाफ गुस्सा देखने को मिल रहा है, जहां लोग शहर के इस हालात के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

पूर्वाग्रह खत्म कर सरकार रायबरेली एम्स पूरी क्षमता से संचालित करवाए

- कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने राज्यसभा में उठाई मांग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद ने राज्यसभा में रायबरेली में दस साल पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के बाद भी पूरी तरह से संचालित नहीं होने पर चिंता जाहिर की है और मोदी सरकार से राजनीतिक पूर्वाग्रह को खत्म कर इस दिशा में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की है।

उच्च सदन में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद कुमार तिवारी ने जब यह मांग उठाई तब रायबरेली की पूर्व सांसद सोनिया गांधी भी सदन में मौजूद थीं। तिवारी ने कहा कि रायबरेली में एम्स की स्थापना दस साल पहले सोनिया गांधी ने की थी लेकिन अभी तक यह अपनी पूरी क्षमता के साथ जनता की सेवा नहीं कर पा रहा है।

उन्होंने कहा कि उस समय रायबरेली के साथ ही कई और एम्स की आधारशिला भी रखी गई थी वह अपनी पूरी क्षमता से जनता को समर्पित हो गए हैं लेकिन रायबरेली और आसपास की बड़ी आबादी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अनुरोध है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए वहां के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर रायबरेली एम्स को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाए। इसमें हो रही देरी पर तिवारी ने कहा कि इसका दोष इतना है यह एम्स रायबरेली में है। इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। राजनीतिक पूर्वाग्रह खत्म करके एम्स रायबरेली का पूरी बिल्डिंग जल्द बनाई जाए। ताकि मरीजों को सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि इसके लिए जरुरी भूमि भी उपलब्ध है और चूंकि यह मानवीय से जुड़ा मामला है, इसलिए इस दिशा में तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि कांग्रेस के लोग ही बीमार पड़े। बीजेपी के लोग ज्यादा बीमार होते हैं...इसको तुरंत शुरु किया जाए।

कांवड़ियों से भरी पिकअप बिजली के खंभे से टकराई, करंट लगने से पांच की मौत

लातेहार। (एजेंसी)

झारखंड के लातेहार के बालूमाथ में एक हादसे में 5 कांवड़ियों की मौत हो गई। गुरुवार तड़के तीन बजे कांवड़ियों से भरी एक पिकअप बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे पिकअप में करंट फैल गया और 5 कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई और 5 कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे का शिकार हुए सभी कांवड़िये मकईयातांड के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सभी कांवड़िया देवघर में पूजा करने के बाद वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक कांवड़ियों का पिकअप रात 3 बजे बिजली के खंबे से टकरा गया जिससे वाहन में करंट फैल गया और यह हादसा हुआ। पिकअप की रफ्तार इतनी तेज थी कि वाहन टकराने के बाद बिजली का खंभा टूट गया। पिकअप में सवार चार महिलाओं और ड्राइवर की मौके पर मौत हुई है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायलों

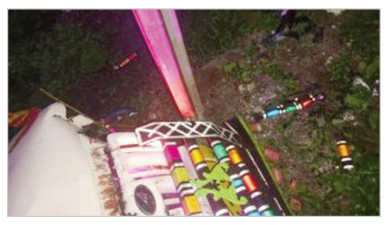

को इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल रेफर कर किया गया है। यह हादसा बालूमथ थाना क्षेत्र के तम-तम टोला में हुआ। ये कांवड़िये देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर से लौट रहे थे।

बीजेपी सांसद की टिप्पणी से खड़गे हुए आहत, बोले-अब और जीना नहीं चाहता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बीजेपी सांसद घनश्याम तिवाड़ी के राज्यसभा में दिए बयान के बाद कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भावुक होकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस माहौल में वह और नहीं जीना चाहते हैं। राज्यसभा में एक दिन तिवाड़ी ने खड़गे के नाम और राजनीतिक सफर को लेकर एक टिप्पणी की। इसे खड़गे ने सदन में उठाया और कहा कि वह इस टिप्पणी से आहत हैं।

परिवारवाद के आरोपों पर खड़गे ने कहा कि वह अपने परिवार से राजनीति में आने वाले पहले शख्स हैं। उन्होंने ये भी कहा है कि उनकी मां की बहुत कम उम्र में मौत हो गई थी, इसलिए उनका पालन पोषण उनके पिता ने ही किया है। इस दौरान खड़गे का गला भर आया। उन्होंने पिता का जिक्र करते हुए कहा कि अपने पिता की वजह से ही वह यहां तक पहुंच पाए हैं और 85 साल की उम्र में वह भी दुनिया छोड़कर चले गए।

इस पर सभापति ने खड़गे की लंबी उम्र की कामना करते हुए कहा कि हम कामना करते हैं कि आप 95 साल तक जिएं, जिसे लेकर खड़गे ने कहा कि इस

माहौल में वह और जीना नहीं चाहते हैं।

खड़गे ने बीजेपी सांसद तिवाड़ी के एक और बयान पर भी एतराज जताया। उन्होंने कहा कि वह छात्र राजनीति करते हुए यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि तिवाड़ी को मेरे नाम से क्या दिक्कत है और उनके माता पिता ने उनका नाम बहुत सोच समझकर रखा था। उनके पिता चाहते थे कि उनके पुत्र का नाम 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक हो। परिवारवाद के आरोपों पर खड़गे ने कहा कि सदन में उनके इर्दगिर्द परिवारवाद के कई उदाहरण वह गिना सकते हैं।

झारखंड विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने बिताई रात, सीएम के बयान देने पर अड़े

रांची। (एजेंसी)

झारखंड के रांची में सीएम हेमंत सोरेन के बयान को लेकर बीजेपी विधायक अड़े हुए हैं। मामला 2019 के चुनावी वादों पर सीएम के बयान से जुड़ा हुआ है। विपक्ष विधायक चाहता है कि सीएम सोरेन सदन में इस बारे में बयान दें। इसको लेकर विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी। हंगामा इतना बढ़ गया कि बीजेपी विधायकों ने पूरी रात विधानसभा परिसर में जमीन पर ही काटी। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन स्थगित करने के बाद विधायक सदन में ही डटे रहे। बाद में मार्शल की मदद से उन्हें बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद बीजेपी विधायक विधानसभा की लॉबी में

ही नारेबाजी करते रहे और पूरी रात वहीं पर बिताई।

सीएम हेमंत सोरेन ने विधायकों से बातचीत की कोशिश की और उन्हें मनाने की कोशिश की। उन्होंने विधायकों को आश्वासन दिया कि वह शुक्रवार को उनके सभी सवालों का जवाब देंगे लेकिन विपक्षी विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे। उन्होंने अपना धरना जारी रखा। बता दें झारखंड विधानसभा में बुधवार को एक नाटकीय घटनाक्रम में मार्शल की मदद से विपक्षी बीजेपी और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के विधायकों को सदन से जबरन बाहर निकालकर लॉबी में ले जाया गया। इन विधायकों ने यह कहते हुए आसन के सामने से हटने से इनकार कर दिया कि वे रोजगार सहित प्रमुख मुद्दों से जुड़े उनके सवालों का जवाब सीएम हेमंत सोरेन की ओर से नहीं दिए जाने के विरोध में वहीं रात बिताएंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमेशा हिंदवी स्वराज की बात को आगे बढ़ाया : होसबाले

नई दिल्ली । (एजेंसी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास के विकृत करने का काम हुआ। लेकिन भारतीय जनमानस में रचे-बसे छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास को कोई नहीं हटा पाया।

श्री होसबाले ने छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा साम्राज्य पर लिखी चार हिंदी और चार अंग्रेजी पुस्तकों के विमोचन के मौके पर कहा कि इतिहास से सीखने और उससे नागरिकों को प्रेरणा मिले इसके लिए दुनिया सभी देश कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति देश के लिए जीना चाहिए और जरूरत पड़े देश के लिए मरना चाहिए, अगर इस तरह की प्रेरणा उत्पन्न करता है, तब वह चीरंजीवी है। इस नाते शिवाजी महाराज चीरंजीवी हैं।

उन्होंने कहा, शिवाजी महाराज ने अपने कार्यों से राष्ट्र में स्वप्रेम की भावना का विकास किया और अपने काल खंड में ही मुगलों को पछाड़ कर हिंदवी स्वराज की स्थापना की। शिवाजी अपने जीवित काल खंड में ही लीजेंड बन चुके थे, जो उनकी प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, शिवाजी महाराज ने कभी मराठा गौरव की बात नहीं की, बल्कि हमेशा हिंदवी स्वराज की बात को आगे बढ़ाया। उन्होंने जो मार्ग दिखाया था, इसकी वजह से अटक से कटक तक मराठों ने भगवा ध्वज लहराकर भारतीय संस्कृति के गौरव को बढ़ाने का काम किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज भारतवर्ष के सर्वश्रेष्ठ शासक थे। वे भारत के भाग्य विधाता थे। अगर छत्रपति शिवाजी जैसे महायोद्धा का कालखंड भारत में न होता, तब भारतीय संस्कृति की पताका इतनी प्रगाढ़ न होती।

उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी ने मुगल साम्राज्य को जिस सैन्य कुशलता और रणनीति से मात दी, वह हमारे लिए आज भी प्रेरणा स्त्रोत है। श्री कोविंद ने कहा कि शिवाजी के इतिहास को विकृत करने का कार्य किया गया और हम सभी की ये जिम्मेदारी बनती है कि शिवाजी के बारे में सही जानकारी लोगों को मुहैया कराएं। हिंदवी स्वराज स्थापना महोत्सव आयोजन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कुल आठ पुस्तकों का विमोचन हुआ।

जिसमें पहली पुस्तक 'छत्रपति शिवाजी महाराज के लेखक डॉ. केदार फालके, दूसरी पुस्तक 'स्वराज संरक्षण का संघर्ष को पांडुरंग बलकवडे, सुधीर थोरात एवं मोहन शेटे जी ने लिखा है। तीसरी पुस्तक 'अठारहवीं शताब्दी का हिंदवी साम्राज्य के लेखक पांडुरंग बलकवडे एवं सुधीर थोरात जी है।

अखिलेश का योगी पर हमला.....दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा बुलडोजर

लखनऊ । (एजेंसी)

यूपी के गोरखपुर में तब हलचल बढ़ गई जब हरिशंकर तिवारी की जयंती पर उनकी प्रतिमा लगाने के लिए बन रहे चबूतरे को पुलिस-प्रशासन ने बुलडोजर से ढहवा दिया। पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी पूर्वांचल के बाहुबली नेता में शुमार थे। बीते दिन उनके समर्थक पैतृक गांव बड़हलगंज टांडा में उनकी प्रतिमा स्थापित करने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। इस पर हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर ने नाराजगी जाहिर की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी योगी सरकार पर हमला कर कहा कि अब तक बीजेपी का बुलडोजर दुकान-मकान पर चलता था, अब दिवंगतों के मान-सम्मान पर भी चलने लगा है। दरअसल, हरिशंकर चिल्लूपार विधानसभा से कई बार विधायक रहे, इसी विधानसभा में उनका पैतृक गांव पड़ता है। यहां 31 जुलाई को तिवारी के समर्थक उनकी प्रतिमा लगवा रहे थे। इसके लिए चबूतरे को बनाया गया था। मगर प्रशासन को इसकी भनक लगते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और मूर्ति स्थापित करने से रोक दिया। प्रशासन के अधिकारियों का कहना था कि ग्रामीण बिना अनुमति के ये काम कर रहे थे, ग्रामसभा की जमीन पर

चबूतरा निर्माण पर कार्रवाई हुई है।

मामले में चिल्लूपार के पूर्व विधायक और हरिशंकर तिवारी के बेटे विनय शंकर तिवारी ने निराशा व्यक्त की है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जिस सरकार में (कल्याण सिंह के जमाने में) पिता जी मंत्री रहे हैं, आज उसी सरकार (योगी सरकार) के शासनाधीश द्वारा सत्ता के अहंकार में उनका अपमान किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेनों में लगा ये सिस्टम.....पहियों में आग लगने की जानकारी देगा

पटना। दानापुर मंडल ने ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक नया सिस्टम लगाया है। सिस्टम से ट्रेन के पहियों में गर्मी या आग लगने की जानकारी तुरंत मिल जाएगी। यह सिस्टम मोकामा और जमानिया अप लाइन पर लगाया है। यह सिस्टम कोचिंग और मालगाड़ी दोनों में काम करेगा। इस सिस्टम में इंफ्रारेड टेंपरेचर सेंसर का उपयोग होता है, जो बिना किसी संपर्क के ही तापमान का पता लगा लेता है। बताया गया कि अगर ट्रेन के पहिये में अधिक गर्मी या आग लगती है, तब यह सिस्टम तुरंत अलर्ट देगा। यह अलर्ट एसएमएस के द्वारा दानापुर कंट्रोल रूम और स्टेशन मास्टर को भेजा जाएगा। साथ ही यह अलर्ट मॉनिटर स्क्रीन पर भी दिखेगा। इससे रेलवे कर्मचारी समय रहते कार्रवाई कर किसी भी बड़ी दुर्घटना को टाल सकते है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह एक डिटेक्टर सिस्टम है, इसके तहत हॉट एक्सेल का पता लगता है। ट्रेन में किसी भी तरह का आग लगे या फिर किसी तरह के ट्रेन में प्रॉब्लम होने पर गुजरने वाले ट्रेन की जानकारी को डिडेक्ट कर निकटतम स्टेशन और कंट्रोल रूम को जानकारी देगा और ट्रेन में आग लगने के बाद उसमें यात्रियों को सुरक्षित कर सकेगा।

रेल मंत्री का कांग्रेस पर हमला.....58 सालों में एक ट्रेन सुरक्षा यंत्र नहीं लगा सके

आज अफवाह फैलाकर यात्रियों को डरा रहे

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को नौवां दिन है। लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेनों की सेफ्टी को लेकर बात की। इस पर विपक्ष ने ताजा हादसों पर सवाल पूछकर हंगामा किया। इस पर रेल मंत्री ने कहा कि जो लोग यहां चिल्ला रहे हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि सत्ता में रहने के 58 सालों में वे 1 किमी दूर भी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) क्यों नहीं लगा पाए। आज वे सवाल उठाने की हिम्मत करते हैं। रेल मंत्री इंडिया गठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि जब ममता बनर्जी रेल मंत्री थीं, तब वे दुर्घटनाओं की संख्या बताती थीं कि 0.24 से घटकर 0.19 हो गई, ये लोग सदन में ताली बजाते थे और आज जब यह 0.19 से घटकर 0.3 हो गई है, तब ये विरोधी दल इस तरह का आरोप लगाते हैं। क्या यह देश इसतरह ही चलेगा? वैष्णव ने कहा, कांग्रेस सोशल मीडिया की अपनी ट्रोल सेना की मदद से झूठी बातें उठाती है। क्या वे उन 2 करोड़ लोगों के दिलों में डर भरने की कोशिश कर रहे हैं जो हर दिन रेलवे से यात्रा करते हैं?

घर में साफ कर रही थी बर्तन, पीछे से बाघ ने कर दिया हमला, मौत

बिजनौर। यूपी के बिजनौर जिले में जिम कार्बेट बाघ अभयारण्य के पास स्थित कालागढ़ इलाके में एक बाघ ने महिला को अपना शिकार बना लिया। बताया जा रहा है महिला अपने घर के आंगन में बर्तन साफ कर रही थी तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यूपी और उत्तराखंड सीमा पर स्थित कालागढ़ इलाके में वर्कचार्ज कालोनी निवासी नितिन की पत्नी टीना (22) बुधवार रात घर के आंगन में बर्तन साफ कर रही थी, तभी पीछे से दीवार फांदकर आए बाघ ने उस पर हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर परिजन के शोर मचाने पर बाघ जंगल की तरफ भाग गया। गंभीर रूप से घायल टीना को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बाघ अभयारण्य के उपनिदेशक डी. नायक बताया कि इलाके में गश्ती दल तैनात कर दिया गया है और निगरानी बढ़ा दी गई है।

अलीगढ़ में कंटेनर और ईको गाड़ी में भिड़ंत, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

अलीगढ़। यहां आज यानी गुरुवार को सुबह सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। एक कंटेनर और ईको गाड़ी में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पांच अन्य घायल हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों मोर्चरी और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां पर उनका इलाज जारी है।यह हादसा जनपद के खैर थाना इलाके में अनाज मंडी के सामने गुरुवार सुबह हुआ। जानकारी के मुताबिक, अलीगढ़-पलवल हाईवे पर कंटेनर ट्रक और ईको गाड़ी की आमने-सामने की भिड़ंत हो गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। इस भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह मामले में हाई कोर्ट के निर्णय से हिंदू वादीयो मैं उत्साह, एक दूसरे को गुलाल लगा एवं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया

श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा आज हाई कोर्ट द्वारा 7 रुल 11 को खारिज करते हुए सभी 18 मुकदमों को सुने जाने का फैसले का स्वागत किया एवं न्यास के पदाधिकारी ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा ने कहा कि माननीय हाई कोर्ट न्यायाधीश श्रीमान मयंक जैन द्वारा जो फैसला दिया है वह सराहनीय है मुस्लिम पक्ष हमेशा से इस मामले को उलझन चाहता था आज माननीय न्यायालय ने यह माना कि सभी 18 मुकदमे सुनने योग्य हैं जल्द ही सर्वे की मांग कर मुकदमों को आगे बढ़ाया जाएगा हमें विश्वास है साध्य के आधार पर जो भी फैसला आएगा वह हिंदू पक्ष में आएगा और एक दिन भगवान श्री कृष्ण का भव्य मंदिर निर्माण होगा यह पहली सीढ़ी है जो आज पर हुई है भविष्य में भी हमें जीत की पूरी उम्मीद है क्योंकि हिंदू पक्ष पर सभी सबूत मौजूद हैं जो मान्य न्यायालय में प्रस्तुत किए जा चुके हैं इस अवसर पर श्री कृष्ण जन्मभूमि गेट नंबर 1 पर सभी हिंदू वीडियो ने भगवान योगेश्वर श्री कृष्णा के जयकारे लगाए अयोध्या हुई हमारी है अब मथुरा की बारी है कृष्ण भक्त सब आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे राष्ट्रीय महामंत्री अश्वनी शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक,प्रदेश मंत्री विनीता शर्मा, जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, रुकमेश शर्मा जिला महामंत्री, राजेश कृष्ण शास्त्री, महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर, विश्व हिंदू परिषद नेता जयराम शर्मा, आदि उपस्थित थे

केएम विश्वविद्यालय परिवार ने निकला तूफानी डाक कांवड़ यात्रा पर

मथुरा। श्रीकृष्ण की नगरी श्रावण मास में शिव के रंगी हुई है। मथुरा के पालीडूंगरा स्थित केएम विश्वविद्यालय का परिवार कुलाधिपति किशन चौधरी के निदेर्शानुसार आज कैम्पस से प्रथम तूफानी डाक कांवड़ यात्रा लेकर निकला है, जिसमें विवि और केएम मेडीकल हॉस्पिटल का स्टाफ शिव की भक्ति में नाचते, झूमते, गाते दुपहिया वाहनों से मां गंगाजी लेने गए। शुक्रवार त्रियोदशी शिवरात्रि पर विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी की अगुवाई में कैम्पस स्थित महादेव मंदिर में भोले बाबा का जलाभिषेक किया जाएगा। प्रथम तूफानी डाक कांवड़ यात्रा का सुबह कैम्पस में पूजा अर्चना की गई। केएम विवि

के प्रशासनिक अधिकारी देवी सिंह (डीएम), रजिस्ट्रार पूरन सिंह, सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल ने डाक कांबड़ यात्रा को भगवाध्वज दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सौंख रोड पर आस्था का सैलाब देखने को मिला। डीजे पर भजनों की मस्ती के साथ भोले के शिवभक्त झूम रहे हैं। कांवड़ यात्रा की अध्यक्षता नितेश चौधरी ने की व यात्रा में अजय तौमर, वीरेन्द्र सिसौदिया, देवेन्द्र चौधरी, दीपक, पंकज चौधरी, त्रिलोकी चौधरी, जुगल किशोर यादव, राहुल कुंतल, प्रतीक अग्रवाल, अमित कुमार, अभिषेक फौजदार, विक्रम ठाकुर, मोनू कुंतल, अश्वनी कुंतल, विष्णु कुमार, मयंक चौधरी, राहुल चौधरी, संदीप कुंतल, अंकित कुंतल, मनीष सैनी, देवेन्द्र गौर, सुमित ठाकुर, विष्णु, अनूप कुंतल, ललित कुंतल, सतेन्द्र चौधरी, गौरव भारद्वाज, लवकुश राजपूत, अनूप ठाकुर, सतीश कुंतल, हरेश, तनुज अग्रवाल आदि शामिल रहे।

पूर्व क्षेत्राधिकारी को किया गया याद , दी गई श्रद्धांजलि

मथुरा । नगर की पॉश कॉलोनी राधा वैली में एक शोक सभा आयोजित कर पूर्व क्षेत्राधिकारी स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गयीं। इस मौके पर उनसे जुड़े हुए उनके अनेक जानने वाले और मित्रों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर संवेदनाएं व्यक्त किए । वक्ताओं ने कहा कि पुलिस विभाग में अनेक अधिकारी काम करते हैं लेकिन जो समाज के लिए और समाज के हित में लोगों

के लिए बड़े सहायक बनते है उनको लोग याद रखते हैं। ऐसे ही एक मिलनसार,विनम्र और लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहने वालों में एक थे स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह आज यहां आकर हम लोगों ने उनकी याद तो की ही साथ ही उनके परिवार को ये ढांढस भी बंधाया कि वे अपने आप को कभी भी अकेला ना समझें हम सभी उनके साथ हर समय कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। शोक सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह के चित्र पर फूल मालाएं अर्पित की ओर ईश्वर से उनको अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की । साथ ही परिवार को ढाढस बंधाया कि इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ हैं । उल्लेखनीय है की स्वर्गीय प्रबल प्रताप सिंह ने अपने पीछे परिवार में पत्नी के अलावा २ पुत्री और एक पुत्र छोड़ा है। इस मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित करने बालों में डी एस परमार,किशन चतुवेर्दी,ठा. आर के सिंह यदुवंशी, डॉ राजेश बसेड़ी,शैलेंद्र सिंह,मनोज गुप्ता,विनोद कौशिक,गौरव शर्मा,तिलक वाधवा,नरेंद्र हिंडोल,मनमोहन सिंह,सुनीता सिंह,सुष्मिता सिंह,प्राची सिंह,ट्विंकल , आदि लोगो ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मथुरा की बंजर भूमि में आगामी विधानसभा चुनाव में लगेगा सपा का वृक्षः विरेन्द्र यादव

सपा के जिला कार्यालय में बनाये जाएंगे संविधान स्तंभ

मथुरा। जिला समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में पीडीए के फामूर्ला पर चलकर भाजपा को प्रदेश से उड़ा फेंकेगी। उन्होंने पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को भरोसा दिया है कि वे मथुरा की बंजर भूमि पर कम से कम एक वृक्ष सपा का रोपित करके प्रदेश में सरकार बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। जब से सपा का गठन हुआ है तब से लेकर अभी तक सपा एक भी सीट मथुरा से नहीं जीत सकी है। गुरुवार को सौंख रोड पालीखेडा के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने फैसला लिया है कि सभी जिले के पार्टी कार्यालयों में संविधान स्तंभ का निर्माण कराया जाएगा। ताकि कार्यालय में घुसने वाले कार्यकताओं को संविधान की मयार्दा ध्यान में रहे। उन्होंने कहा कि शीघ्र में जनपद में कर्मठ व नौजवानों को पार्टी संगठन में स्थान दिया जाएगा। वहीं पार्टी के बुजुर्ग नेताओं की राय लेकर जनपद में संगठन को मजबूती प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा की कथनी करनी में कोई अंतर नहीं है। सपा की अखिलेश सरकार के कार्यकाल मे सभी वर्ग के लिए कार्य किए। आज प्रदेश में डबल इंजन की भाजपा सरकार के दौरान नौजवान, किसान, व्यापारी हरकोई परेशान है। बेरोजगारों को नौकरी नहीं मिल रही हैं। किसानों का खाद पर मंहगाई बढ़ गई है। खाद का कट्टा अब 50 किलो की जगह 40 किलो का रह गया। उसके रेट भी बढ़ा दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने अधिकारों के लिए धरना प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी है। वहीं सेना में अग्निवीर योजना लाकर सैनिकों के साथ धोखा किया है। केन्द्र में सपा की सरकार बनी तो अग्निवीर योजना समाप्त होगी। सभी सैनिकों को स्थाई किया जाएगा। वार्ता के समय पूर्व विधायक हुकम चंद्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष पाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष रवि यादव पूर्व राष्ट्रीय सचिव , प्रदीप चौधरी विभोर गौतम, महेन्द्र चौधरी, युवजन सभा के जिलाध्यक्ष एवं पार्षद मुन्ना मलिक, मुरारी लाल कटारा, कमरूद्दीन, प्रहलाद यादव, सेरश यादव, वीरेंद्र सिंह बौद्य, दिनेश यादव, संदीप दिवाकर, सुरेश यादव, नरेश यादव, वैभव गौस्वामी आदि उपस्थित थे।

रेलवे के कंट्रोल रूम में लगी आग

रात 2 बजे शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

आगरा। कैंट स्थित डीआरएम ऑफिस में बने कंट्रोल रूम में बुधवार देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई । आग काफी भीषण थी। करीब डेढ़ घंटे बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। वहीं, गुरुवार सुबह कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बने IRCTC के पर्यटक सुविधा केंद्र में गुरुवार सुबह आग लग गई। डीआरएम आफिस में भूतल पर कंट्रोल रूम बना हुआ है। इसमें आरपीएफ का कंट्रोल सेक्शन है। रात करीब दो बजे अचानक आरपीएफ के कंट्रोल रूम से धुआं निकलने लगा। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग की लपटें उठने लगी। आग से कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। डीआरएम आफिस में परिसर में आग लगने की सूचना पर अधिकारी भी पहुंच गए। देखते ही देखते आग और भड़क गई। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से कंट्रोल रूम का पूरा सामान जल गया। रिकॉर्ड भी जलकर राख हो गए। बताया गया है कि अगर समय पर फायर ब्रिगेड नहीं आती तो आग रेलवे कंट्रोल रूम को भी चपेट में ले सकती थी। आगरा रेल मंडल की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि कंट्रोल रूम में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। कुछ उपकरण व रिकॉर्ड जल गए हैं। ट्रेनों के संचालन पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ा।वहीं, गुरुवार सुबह कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बने आईआरसीटीसी के पर्यटक सुविधा केंद्र पर आग लग गई। आग बुझाने के लिए वीआईपी लाउंज व अन्य जगह पर एक भी अग्निशमन यंत्र नहीं मिला। कर्मचारी इधर-उधर भागते रहे। बाद में एक टीटी फूड प्लाजा स अग्निशमन सिलेंडर लेकर आया।

संक्षिप्त डायरी

खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन

मथुरा । सहायक आयुक्त (खाद्य) खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अवगत कराते हुए बताया है कि खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करने हेतु भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य के मध्य सम्पादित समझौता ज्ञापन के अन्तर्गत तहसील गोवर्धन, जनपद मथुरा में खाद्य कारोवारकताओं के लिये खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन (FoSTAC) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कैटरिंग, होटल एवं रेस्टोरेण्ट, एवं अन्य खाद्य सम्बन्धी व्यवसाय से जुड़े 31 खाद्य कारोबारकताओं ने प्रतिभाग किया जिनको कि एफ०एस०एस०ए०आई० से प्रमाणित ट्रेनरों की टीम द्वारा खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकताओं को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्राविधानों, नियम व विनियमों की जानकारी दी गई एवं खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी जोखिमों (Food Safety Hazards)- जैसे सूक्ष्मजीवीय, रासायनिक, भौतिक जोखिमों के सम्बन्ध में भी बताया तथा उनसे वचाव के तरीकों एवं फूड हेण्डलर्स को व्यक्तिगत हाईजीन बनाए रखने, खाद्य प्रतिष्ठानों में पर्याप्त साफ-सफाई रखने के तरीकों से भी अवगत कराया इसके साथ ही समस्त खाद्य कारोबारकताओं को एफ०एस०एस०ए० एक्ट 2006 के अन्तर्गत खाद्य अनुज्ञप्ति / पंजीकरण की एक सत्यप्रति सदैव खाद्य परिसर में प्रमुख स्थान पर रिस्टोरेण्ट के मामले में फूड सेफ्टी डिस्पले बोर्ड) का प्रदर्शन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

वाहनों की फिटनेस परमिट की वैधता सिघ्र पूर्ण करायें: राजेश राजपूत

मथुरा । वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत ने अवगत कराया है कि मुख्य सचिव उ०प्र० शासन एवं परिवहन आयुक्त उ०प्र० लखनऊ के पत्र के क्रम में जनपद मथुरा में संचालित समस्त स्कूली वाहनों व समस्त यात्री वाहन, जिनकी फिटनेस एवं परमिट की वैधता समाप्त हो गयी है, इस प्रकार के वाहनों का मार्ग पर संचालन जनसमुदाय के लिये खतरा पैदा कर सकता है। दिनांक 25.06.2024 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त स्कूली प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को यह निर्देश दिए गए थे कि वे एक सप्ताह के अन्दर अपने स्कूली वाहनों को नियमोनुरूप करा लें। परन्तु अभी भी जनपद में 179 स्कूली वाहनों की फिटनेस / परमिट की वैधता समाप्त है, जो कि चिंताजनक है। इसके अतिरिक्त 262 स्कूली वाहन जिनकी 15 वर्ष की आयु पूर्ण हो चुकी है, जिन्हें स्कूली वाहन के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है, ऐसे वाहनों का तुरन्त कार्यालय में उपस्थित होकर वाहन के पंजीयन निरस्त की कार्यवाही पूर्ण करा लें। जनपद के समस्त स्कूली वाहनों के प्रधानाचार्य/प्रबंधकों को वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा निर्देशित किया गया है कि वे 03 दिनों के अन्दर अपने वाहनों की फिटनेस / परमिट की वैधता कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में आकर पूर्ण करा लें। अन्यथा की स्थिति में समस्त स्कूल प्रबंधकों/प्रधानाचार्यों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए उनके वाहनों के पंजीयन निरस्त एवं एफआईआर की कार्यवाही की जायेगी।

डीएम ने सरकारी कार्यालयों एवं प्रशासनिक पटलों का किया निरीक्षण

मथुरा। गुरुवार को जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट के परिसर में स्थित प्रशासनिक पटलों, डीआईओएस कार्यालय, बीएसए कार्यालय, एआरटीओ कार्यालय, विद्युत विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। डीएम के अचानक कार्यालयों में पहुंचने पर अधिकारी कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शों के क्रम में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह तथा अपर जिलाधिकारी योगानंद पांडेय ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित प्रशासनिक कक्ष, आर ए कक्ष, नजारत तथा संग्रह कार्यालयों का जायजा लिया। उन्होंने सभी पटलों की साफ सफाई सुधारने के निर्देश दिए तथा पुराने भवनों की मरम्मत का प्रस्ताव बनकर शासन को भेजने के निर्देश नाजिर को दिए। कलेक्ट्रेट परिसर में आम आदमी हरीश से बात करके उसकी समस्या जानी। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने विद्युत कैंट के अधिशासी अभियंता विद्युत कक्ष, लेखा अनुभाग तथा विद्युत बिल जमा कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने अभियंता को साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। मौके पर डीएम ने बुद्धा देवी का बिल जमा करवाया।

जिलाधिकारी को दरेसी रोड के निवासियों ने विद्युत आपूर्ति फीडर संबंधी समस्या बताई जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि उक्त शिकायत का निस्तारण तत्काल प्रभाव से किया जाए। यहा के बाद जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने डीआईओएस कार्यालय का निरीक्षण को पहुंचे। जहां साफ सफाई बेहतर न मिलने पर नाराजगी जाहिर की। कार्यालय सम्बंधी सभी रजिस्टर देखे। फाइलों के रख रखाव को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अलमारी में रखी जाएं, इस तरह कपड़ों में किसी भी रजिस्टर को बंद कर न रखें उनमें धूल जमी रहती है। श्री सिंह ने बीएसए कार्यालय का निरीक्षण किया तथा सेकेंड फ्लोर पर चल रहे कार्य को शीघ्र करने के निर्देश दिए और रजिस्टरों का अवलोकन किया।

मौजूद लोगों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सहायक संभागीय अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया तथा बाउंड्री बॉल के आस पास साफ सफाई करने के निर्देश दिए और बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर एआरटीओ नीतू सिंह को निर्देश दिए कि कोई भी बाहरी व्यक्ति कार्यालय के कार्यों में हस्तक्षेप न करे।

युवक को जिंदा दफन किया जंगली जानवरों के नोचने पर आया होश

आगरा। के अरतौनी में एक युवक को जिंदा गड्ढे में दफना दिया। एक घंटे से ज्यादा समय तक युवक गड्ढे में दबा रहा। जंगली जानवर के नोचने पर युवक को होश आया। किसी तरह वो गड्ढे से निकलकर पास की बस्ती में पहुंचा। 13 दिन से युवक हॉस्पिटल में भर्ती है। 13 दिन बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। अरतौनी के रहने वाली रामवती ने थाना सिकंदरा में तहरीर दी थी कि 18 जुलाई को उनके क्षेत्र में दो पक्षों में विवाद हुआ था। एक पक्ष का एक व्यक्ति उनके घर के बाहर खड़े होकर गालियां दे रहा था। जिस पर उनके बेटे रूपकिशोर ने उसे वहां से जाने को कहा। 18 जुलाई की रात को ही चार युवक रूपकिशोर के पास पहुंचे। अंकित, गौरव, करन और आकाश ने कहा कि प्रधान पुष्पेंद्र ने रूपकिशोर को बुलाया है। रूपकिशोर उनके साथ चला गया। चारों ने गांव के बाहर खेतों की ओर ले जाकर रूपकिशोर को बुरी तरह पीटा। रूपकिशोर की टीशर्ट से उसके गले में फंदा बनाकर उसे घसीटते हुए ले गए। मारपीट करने के बाद उसे मरा हुआ समझकर यमुना किनारे रेत में गड्ढा खोद कर दफना दिया। जानवर नोचने लगे मांस रूपकिशोर का खून सूंघकर कुछ जंगली जानवर गड्ढे पर पहुंचे। बेहोश रूपकिशोर का मांस नोच कर खाने लगे। मांस नोचने पर दर्द हुआ तो रूपकिशोर होश में आया। किसी तरह गड्ढे से निकल कर पास की ही बस्ती में पहुंचा।

भाकियू अराजनैतिक प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव से मिला, किसानों की समस्याओं से अवगत कराया ज्ञापन सौंपा

लखनऊ में भाकियू अराजनैतिक प्रतिनिधिमंडल की बैठक में मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए साथ में भाकियू अराजनैतिक पदाधिकारी।

बलदेव।
लखनऊ में भाकियू अराजनैतिक के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से मिला, मुख्य सचिव को किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा, व विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। जिसमें मई 23 में बलदेव क्षेत्र के दुर्घटना में मरे चार युवकों को शीघ्र मुआवजा का आश्वासन दिया। मुख्य सचिव ने किसानों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। बैठक लोकभवन में मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में देवेश चतुवेर्दी अपर मुख्य सचिव कृषि, पावर कॉपोरेशन चेयरमैन आशीष गोयल, वीणा कुमारी प्रमुख सचिव गन्ना, चीनी उद्योग, गुरु प्रसाद प्रमुख सचिव राजस्व, योगेश कुमार प्रमुख सचिव पशुपालन, मनीषा सदस्य राजस्व परिषद, बीएल मीना प्रमुख सचिव उद्यान, जितेंद्र तोमर कृषि निदेशक, जेएस नवीन चकबंदी आयुक्त, अनुराग यादव सचिव कृषि, अंजनी कुमार मंडी निदेशक सहित 25 विभाग शामिल रहे । मंडल अध्यक्ष

राजकुमार तोमर ने बताया 23 सूत्रीय मांगों पर लोकभवन में मुख्य सचिव कार्यालय के सभागार में चर्चा हुई। बैठक में निजी नलकूप की बिजली को पंजीकरण व शर्तो से मुक्त करने, आलू निकासी का आदेश बदलने, अंश निर्धारण की त्रुटि ठीक करने, बाढ़ में उपजाऊ भूमि को ठीक हो, फसलों का मुआवजा, गन्ना भुगतान, चीनी मिलों पर सख्ती, चकबंदी अधिनियम में बदलाव हो आदि से अवगत कराते हुए समाधान की मांग की । मुख्य सचिव ने सभी विषयों पर विचार कर समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में राजेन्द्र सिंह राष्ट्रीय संरक्षक, राजेश चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष, राकेश त्यागी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, धर्मेन्द्र कुमार राष्ट्रीय प्रवक्ता, हरिनाम सिंह प्रदेश अध्यक्ष, राजकुमार मंडल अध्यक्ष आगरा, दिगम्बर सिंह युवा प्रदेश अध्यक्ष, राजवीर सिंह, राम स्वरूप वर्मा, अनार सिंह आदि थे।